दैनिक
लोकप्रदेश

RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-9 | अंक-187 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, मंगलवार 29 जुलाई 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विधानसभा के सेंट्रल हॉल में किया प्रदर्शनी सदानीरा का शुभारंभ

नदियों और जल स्त्रोतों के प्रति समाज को संवेदनशील बनाने का सांस्कृतिक प्रयास है सदानीरा प्रदर्शनी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप राज्य सरकार ने 30 मार्च से 30 जून 2025 तक 90 दिवसीय जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया। सम्पूर्ण प्रदेश में चले इस अभियान में जनभागीदारी की अद्भुत मिसाल देखने को मिली। स्थानीय नागरिकों ने जल संरक्षण के प्रति अपनी सहभागिता सुनिश्चित की नदियों, जलस्त्रोतों व जल संरचनाओं को संरक्षित करने 2 लाख 30 हजार 740 से अधिक जलदूतों ने पंजीयन कराया। अभियान के अंतर्गत अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल कर निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति करते हुए मध्यप्रदेश में 84 हजार 726 खेत तालाब, 1 लाख 4 हजार 276 कूप रिचार्ज पिट और 1283 अमृत सरोवरों का निर्माण कराया गया। इतना ही नहीं जल संचय करने वाले जिलों में खंडवा देशभर में नबर वन बना और राज्यों की श्रेणी में

मध्यप्रदेश, देश में चौथे स्थान पर रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विधानसभा के सेंट्रल हॉल में जल गंगा संवर्धन अभियान की उपलब्धियों पर केंद्रित प्रदर्शनी सदानीरा का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंघार भी मौजूद रहे।

नदी संरक्षण वैज्ञानिक दायित्व के साथ सांस्कृतिक चेतना का भी है आह्वान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस अभियान ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश की एक अलग पहचान स्थापित की है। यह अभियान अन्य राज्यों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। अभियान की अभूतपूर्व उपलब्धियों को प्रदर्शनी के रूप में संयोजित किया गया है। यह प्रदर्शनी नदियों और जल स्त्रोतों के प्रति समाज को संवेदनशील बनाने का एक सांस्कृतिक प्रयास है। नदियां जलधाराएं ही नहीं, हमारी स्मृतियों, परंपराओं और जीवन की आधारशिला है। नदी संरक्षण केवल वैज्ञानिक दायित्व नहीं, अपितु सांस्कृतिक चेतना का आह्वान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विधानसभा के सेंट्रल हॉल तथा फोर लेन मुक्ताकाशी परिसर में केन्द्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। यह प्रदर्शनी विधानसभा सत्र के दौरान विधानसभा सदस्यों के अवलोकन के लिए उपलब्ध रहेगी। प्रदर्शनी में जल गंगा संवर्धन अभियान की उपलब्धियों, प्रदेश की बावड़ियों, जलीय जीवन के प्राणतत्व-जलचर, अमृतस्य नर्मदा, उपग्रह की नजर से प्रदेश की प्रमुख जल संरचनाओं जैसी प्रदेश की जलीय विविधता को वीर भारत न्यास द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

श्रीनगर में सेना का ऑपरेशन महादेव

3 पाकिस्तानी आतंकी ढेर

इनमें पहलगाम हमले का मुख्य आरोपी हाशिम मूसा भी शामिल, सर्च ऑपरेशन जारी

श्रीनगर। भारतीय सेना ने सोमवार को ऑपरेशन महादेव के तहत श्रीनगर के लिडवास इलाके में छिपे 3 पाकिस्तानी आतंकियों को ढेर कर दिया। चिनार कॉर्प्स ने एक्स पर इसकी जानकारी दी। मारे गए आतंकियों में पहलगाम हमले का मुख्य आरोपी हाशिम मूसा भी शामिल है। जबकि दूसरा, 2024 के सोनमर्ग सुरंग प्रोजेक्ट पर हुए हमले में शामिल था। हालांकि सेना ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। मंगलवार को ऑपरेशन महादेव पर जानकारी दे सकती है। आतंकियों के पास से अमेरिकी स्प्र कार्बाइन,एके-47, 17 राइफल और ग्रेनेड मिले हैं। कुछ और संदिग्ध सामान भी बरामद हुआ है। आर्मी प्रवक्ता ने बताया कि आतंकियों की पहचान करने की कोशिश जारी है।

गिरगिट लेकर विधानसभा पहुंचे कांग्रेस विधायकःकहा-

ओबीसी आरक्षण पर बार-बार रंग बदल रही सरकार

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को कांग्रेस विधायकों ने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। वे हाथों में तख्तियां और खिलौने वाले गिरगिट लेकर पहुंचे। गांधी प्रतिमा के सामने नारेबाजी की। कांग्रेस विधायकों का कहना था कि सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 फीसदी आरक्षण नहीं देना चाहती। वह बार-बार गिरगिट की तरह रंग बदल रही है। वहीं, सिरोंज से बीजेपी विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा- मुझे चिंता है कि कमलनाथ जी को सदन में आने से कौन रोक रहा है? मुझे लगता है कि यह कांग्रेस की गुटबाजी और फूट का परिणाम है।

ऑपरेशन सिंदूर पर बहस-राजनाथ बोले-

ऑपरेशन सिंदूर पूरी तरह सफल

परीक्षा में रिजल्ट की अहमियत, कितनी पेंसिल टूटी, यह पूछना बेईमानी; गोगोई ने पूछा- पीओके कब्जा क्यों नहीं किया

नई दिल्ली। लोकसभा में सोमवार दोपहर 2:05 बजे से ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा जारी है। रक्षा मंत्री राजनाथ ने चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा, हमने आतंकियों को उनके घर में घुसकर मारा। सेना ने आतंकियों से हमारी माताओं-बहनों के सिंदूर का बदला लिया।रक्षा मंत्री ने 55 मिनट के भाषण में कहा- हमारा मकसद आतंकी ठिकाने तबाह करना था और सेनाओं ने अपना लक्ष्य हासिल किया। हमने किसी के दबाव में पाकिस्तान से सीजफायर नहीं किया। राजनाथ सिंह ने कहा- विपक्ष पूछ रहा है कि युद्ध में हमारे कितने फाइटर जेट गिरे? उन्होंने यह नहीं पूछा कि हमारे सशस्त्र बलों ने दुश्मनों के कितने जेट गिराए? परीक्षा में रिजल्ट की अहमियत होती है।

पाकिस्तान तो सिर्फ फंट पर था, पीछे चीन था

गोगोई ने कहा- सेना कह चुकी है कि पाकिस्तान तो सिर्फ फ्रंट पर था, लेकिन पाकिस्तान के पीछे चीन था। इसमें आश्चर्य की क्या बात है। जो सरकार चीन को लांल आंख दिखाने की बात करती है। उस सरकार ने आज चीन पर बात क्यों नहीं की। युद्ध मे पाकिस्तान को चीन ने कितना मदद किया, ये हम सेना से नहीं, रक्षा मंत्री और पीएम मोदी से जानना चाहते हैं।

आज का भारत अलग तरह से सोचता है

राजनाथ ने कहा- पिछली सरकारों ने 2016 की उरी स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट स्ट्राइक जैसे कदम उठाए होते स्थितियां दूसरी होतीं। मैं उस समय की सरकार या पीएम की आलोचना नहीं करना चाहता। आज का भारत अलग तरह से सोचता और काम करता है। अगर कोई बातचीत की भाषा नहीं समझता तो डिसाइसिव एक्शन लेने पड़ते हैं। आज भारत जवाब देता है। आज भारत आतंक की जड़ तक जाता है.

जरूरत पड़ी तो घर में घुसकर मारेंगे

हमारी सरकार ने आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति पर कोई समझौता नहीं करेंगे। एक इंटरनेशनल मीटिंग में आतंकवाद के मसले पर जॉइंट स्टेटमेंट डाइल्यूट हो रहा था, हमने साफ किया कि जब तक इस पर मजबूती से बात नहीं रखी जाती, जॉइंट स्टेटमेंट पर दस्तखत नहीं करेंगे। 2009 में मुंबई में जो हमला हुआ था, उस समय सरकार को जो करना चाहिए था, वह नहीं हुआ। जब केंद्र में मोदी जी के नेतृत्व में सरकार बनी, तब से परिस्थितियां बदलीं। हमने उरी में सर्जिकल स्ट्राइक की। हमने बता दिया कि जरूरत पड़ी तो घर में घुसकर मारेंगे।

मेट्रो के बाद प्रदेशवासियों को मिलेगी एक और स्मार्ट परिवहन की सौगात, जिले से कनेक्ट होंगे गांव

भोपाल-इंदौर में अक्टूबर से चलेंगी ई-बसें, बनेंगे हाई टेक चार्जिंग स्टेशन

भोपाल, ब्यूरो

इंदौर और भोपाल को मेट्रो की सौगात देने के बाद जल्दी ही दोनों शहरों में ई-बसें चलाए जाने की तैयारी शुरू हो गई है। भोपाल और इंदौर में अक्टूबर से ई बसें चलाई जा सकती हैं। इंदौर लिए 29 करोड़ से दो हाईटेक चार्जिंग स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इन दो चार्जिंग स्टेशनों का काम पूरा होने के बाद इंदौर में दो और चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। इनके लिए जमीन अधिग्रहण का काम शुरू हो गया है। अक्टूबर तक इंदौर में यह ई बस चलाए जाने की योजना है। बता दें कि वर्तमान में इंदौर में 60 इलेक्ट्रिक बसें दौड़ रही हैं। पीएम ई बस सेवा योजना के तहत इंदौर को जल्दी ही 150 नई इलेक्ट्रिक बसें मिलने वाली हैं। भोपाल की सड़कों पर दौड़ रही डीजल बसों के पहिए अगले

माह थम जाएंगे। दरअसल बीसीएलएल का पुराने बस ऑपरेटर्स के साथ अनुबंध अगस्त में खत्म हो रहा है। इनके स्थान पर जल्दी ही ई-बसें चलना शुरू हो जाएंगी। पहले चरण में भोपाल को 100 इलेक्ट्रिक बस मिलेंगी। अधिकारियों की मानें तो भोपाल में नंबवर तक ई-बस चल सकती हैं। भोपाल में ई-बस रातापानी अभयारण्य के झिरी गेट और औबेदुल्लागंज तक जाएंगी, जिससे रातापानी टाइगर रिजर्व पहुंचना आसान होगा।

इन जिलों में भी चलाई जाएंगी ई-बस

भोपाल और इंदौर के अलावा ग्वालियर में 100, जबलपुर में 100, उज्जैन में 100 और सागर में 32 ई बसें चलाए जाने की योजना है। स्वच्छ परिवहन मिलने से इन सभी शहर की जलवायु सुधरेगी। जिससे जलवायु परिवर्तन व जलवायु संकट जैसी स्थितियों से निपटने में मदद मिलेगी। शहरों के प्रदूषण मुक्त होने से लोगों को भी लाभहोगा। वहीं आधुनिक ई-बस कई एडवांस फीचर्स से लैस होंगी, जिनमें यात्रियों को एसी पैनिक बटन, सीसीटीवी कैमरा और जीपीएस ट्रैकर जैसी सुविधाएं मिलेंगी।

बाराबंकी के अवसानेश्वर महादेव मंदिर में करंट फैलने से भगदड़, 2 की मौत, 40 घायल

बाराबंकी, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में सावन के तीसरे सोमवार को जिले के हैदरगढ़ क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध अवसानेश्वर महादेव मंदिर में बड़ा हादसा हो गया। यहां उस समय अफरा-तफरी मच गई जब जलाभिषेक के दौरान अचानक करंट फैलने से भगदड़ की स्थिति बन गई। हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 40 लोग घायल हो गए हैं। मरने वालों में लोनीकटरा थाना क्षेत्र के मुबारकपुरा गांव निवासी 22 साल का प्रशांत और एक अन्य श्रद्धालु शामिल हैं। दोनों को त्रिवेदीगंज सीएचसी में इलाज के लिए लाया गया था। स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 3 बजे उस समय हुई जब भारी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए मंदिर परिसर में एकत्रित थे। बताया जा रहा है कि इसी दौरान एक बंदर बिजली के तार पर कूद गया।

सुको ने ऑनलाइन माफी पर विजय शाह को फटकाराःकहा-

सार्वजनिक माफी कहां है? हमारे धैर्य की परीक्षा ले रहे

दिल्ली/भोपाल। ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग करने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी को लेकर भाजपा मंत्री विजय शाह की ऑनलाइन माफी पर सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को जस्टिस सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की बेंच ने शाह के मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने शाह द्वारा सार्वजनिक रूप से मांगी गई माफी को निष्ठाहीन बताते हुए खारिज कर दिया। यह देखते हुए कि अपने माफीनामे वाले वीडियो में शाह ने जनभावनाओं को ठेस पहुंचाने की बात स्वीकार नहीं की। जस्टिस सूर्यकांत ने कहाङ्क वह आत्मचिंतन करें कि अपनी सजा कैसे चुकाएं। इस मामले में मंत्री विजय शाह को पद से हटाने की मांग को लेकर कांग्रेस की नेता जया ठाकुर की याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया।

एंबेसी रैकेट | गिरफ्तार हर्षवर्धन हवाला और लाइजनिंग के कारोबार में भी सक्रिय, लंदन में बनाई शेल कंपनियां

300 करोड़ की ठगी, 162 विदेश यात्राएं और 25 फर्जी कंपनियां

नई दिल्ली (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में फर्जी दूतावास (एंबेसी) चलाने के मामले में गिरफ्तार हर्षवर्धन जैन को लेकर नोएडा एसटीएफ रोज नए खुलासे कर रही है।

एसटीएफ अधिकारियों के अनुसार, हर्षवर्धन के बी-35 कविनगर स्थित मकान से बरामद दस्तावेजों की जांच से पता चला है कि उसने एहसान अली सैयद के साथ मिलकर विदेशों में कई कंपनियां पंजीकृत कराईं। अब तक 25 कंपनियों और बैंक खातों की जानकारी सामने आ चुकी है। हर्षवर्धन जैन के विदेशों में कई खातों की भी जानकारी प्राप्त हुई है। उसने 10 वर्षों में 162 बार विदेश यात्रा की है। पुलिस अब हर्षवर्धन को रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। कस्टडी रिमांड की अर्जी कोर्ट में दाखिल की गई है, जिसकी सुनवाई सोमवार को होगी। एसटीएफ की टीमें 300 करोड़ से अधिक

के एक घोटाले की जांच कर रही हैं, जिसमें हर्षवर्धन की संलिप्तता सामने आई है। यह घोटाला विदेश में लोन दिलाने के नाम पर किया गया। इसके अलावा क्कुछ अन्य घोटालों की भी जांच की जा रही है। नोएडा एसटीएफ के अधिकारियों का दावा है कि हर्षवर्धन हवाला और लाइजनिंग के कारोबार में भी सक्रिय था। हर्षवर्धन की मुलाकात चंद्रास्वामी ने आर्म्स डीलर अदनान खशोगी (सउदी निवासी) और एहसान अली सैयद (लंदन निवासी) से कराई थी। एहसान अली सैयद हैदराबाद का निवासी है जिसने टर्की की नागरिकता ले ली है। चंद्रास्वामी ने ही हर्षवर्धन को लंदन भेजा था. वहां दोनों ने मिलकर कई शेल कंपनियां बनाईं।

विभिन्न देशों में बैंक खातों का नेटवर्क

एसटीएफ को अब तक की जांच में 25 से अधिक कंपनियों की जानकारी मिली है, जिनका डेटा हर्षवर्धन के पास था। इसमें यूके में स्टेट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड, ईस्ट इंडिया कंपनी यूके लिमिटेड, यूएई में आइलैंड जनरल ट्रेडिंग कंपनी एलएलसी, मॉरीशस में इंदिरा ओवरसीज लिमिटेड और कैमरून (अफ्रीका) में कैमरून इस्पात एसएआरएल शामिल हैं। उसके दुबई में 6, मॉरीशस में 1, यूके में 3 और भारत में 1 बैंक खाता होने की पुष्टि हुई है। इन खातों में हुए लेन-देन की भी जांच जारी है। उसके दो पैन कार्ड भी संज्ञान में आए हैं।

अदनान खशोगी से जुड़े ट्रांजैक्शन की जांच

एसटीएफ सूत्रों के अनुसार, आर्म्स डीलर अदनान खशोगी से हर्षवर्धन के बैंक अकाउंट में सीधे पैसे ट्रांसफर हुए थे। 2002 से 2004 के बीच खशोगी ने उसे 20 करोड़ रुपये दिए थे। एसटीएफ इस लेन-देन की जांच कर रही है कि इन पैसों का इस्तेमाल किस उद्देश्य से हुआ। पासपोर्ट रिकॉर्ड से खुलासा हुआ है कि हर्षवर्धन ने साल 2005 से 2015 के बीच 10 वर्षों में 162 बार विदेश यात्रा की। वह 19 देशों में गया, जिनमें सर्वाधिक 54 बार यूएई, 22 बार यूके, मॉरीशस, फ्रांस, कैमरून, पोलैंड, श्रीलंका, टर्की, इटली, सेबोर्गो, इंडोनेशिया, सऊदी अरब, सिंगापुर, मलेशिया, जर्मनी और थाईलैंड शामिल हैं।

एमपी के सतना में देश का सबसे गरीब आदमी

सतना. मध्यप्रदेश के सतना में देश का सबसे गरीब आदमी मिला है। उचेहरा तहसील के अमदरी गांव के रहने वाले संदीप कुमार नामदेव की वार्षिक आय शून्य है। तहसीलदार ने इसका प्रमाण पत्र भी बनाकर दिया है। आय प्रमाण पत्र 7 अप्रैल 2025 को जारी किया गया था। सोमवार को ये प्रमाण पत्र सोशल मीडिया पर सामने आया। इस मामले में परियोजना अधिकारी रविकांत शर्मा ने बताया कि त्रुटि मिलने पर 20 जुलाई को आय प्रमाण पत्र निरस्त कर दिया था। इसके बाद संदीप को 40 हजार रुपए सालाना आय वाला प्रमाण पत्र जारी कर दिया था। सतना जिले में दो दिन में ऐसा ये दूसरा मामला है। इससे पहले कोठी तहसील में नयागांव के रहने रामस्वरूप को 22 जुलाई 2025 को तहसीलदार सौरभ द्विवेदी के हस्ताक्षर से जारी आय प्रमाण पत्र भी चर्चा में आया था, जिसमें उनकी सालाना आय मात्र तीन रुपए दर्ज की गई थी।

संक्षिप्त समाचार

श्री चित्रगुप्त मन्दिर में की गई पूजा अर्चना, हुआ भण्डारा आयोजित

सतना। कायस्थ समाज द्वारा जगतदेव तालाब स्थित श्री चित्रगुप्त मन्दिर में 27 जुलाई को वैदिक मंत्रोपचार के साथ भगवान भोलेनाथ एवं चित्रगुप्त महाराज की पूजा-अर्चना कर महाआरती व भण्डारे का आयोजन किया गया। युवा अध्यक्ष राज श्रीवास्तव एवं कार्यक्रम संयोजक सुयश निगम ने बताया कि सुबह 11 बजे से सुन्दरकाण्ड के पाठ का आयोजन किया गया। सावन माह के पावन अवसर महाआरती के पश्चात् भण्डारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री मति कंचन श्रीवास्तव डी ई ओ सतना को शाल श्री फल तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर समाज के संरक्षक रावेन्द्र श्रीवास्तव बब्लू, जीतेन्द्र कुमार, संतोष श्रीवास्तव , डॉ डी के निगम, जय श्रीवास्तव नीरज कुमार खरे मनोज कुमार सिन्हा वरिष्ठ पदाधिकारी आनन्द कुमार श्रीवास्तव, विष्णु प्रकाश श्रीवास्तव, बृजेश निगम,दीपक निगम,सतीश निगम, अखिलेश निगम,दीपक श्रीवास्तव , ज्योति श्रीवास्तव शुभी श्रीवास्तव सौरभ श्रीवास्तव विनीता खरे,निशा खरे, वंदना श्रीवास्तव अनिता श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव का सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन आनन्द कुमार श्रीवास्तव तथा दीपक निगम ने आभार व्यक्त किया।

अंकुरण तरु हुनर पहचान मेला में आत्मनिर्भरता और सम्मान का दिया संदेश

सतना। अंकुरण सौरभ त्रिपाठी के मार्ग दर्शन पर अंकुरण तरु पर्यावरण संरक्षक संस्था द्वारा आयोजित हुनर पहचान मेला का आयोजन किया गया। अंकुरण सीमा अग्रवाल ने बताया कि हुनर की पहचान आत्मनिर्भरता की उड़ान थीम पर आधारित इस आयोजन में शहर की अनेक प्रतिभाशाली बहनों ने अपने-अपने स्टालों के माध्यम से आत्मनिर्भरता का सशक्त संदेश दिया।अंकुरण की एक ब्रांच जो की रीवा में खुली है उसकी अध्यक्ष श्रीमती गीता ने अंकुरण तरु सतना का सम्मान शाल, पुष्प गुच्छ और नारियल से कर सम्मानित किया डा.डौली ने बताया कि मेले का आरंभ स्कूल के छात्र-छात्राओं के बीच हिंदी राइटिंग और स्वच्छ धरती टॉपिक पर प्रतियोगिता द्वारा किया गया।

कर्मक्षेत्र पद्मश्री बाबूलाल दाहिया का दुर्लभ कृषि यंत्र उपकरणों का अनोखा संग्रह

कृषि प्रेम ऐसा कि घर के कमरों को बना दिया संग्रहालय

कृषि आधारित 2000 तरह के उपकरण यंत्र व बर्तन चलन से बाहर हो चुके

नगर संवाददाता, सतना।

वर्तमान व भावी पीढ़ी के लिए है संग्रहालय

अपने जीवन में प्रकृति प्रेम को लेकर अपने घर को एक संग्रहालय में बदलना कुछ अगल बात है। ऐसा ही संग्रहालय बनाया है हमारे विंध्य के गौरव पद्मश्री बाबूलाल दाहिया ने बनाया है। उन्होने कृषि के क्षेत्र में विलुप्त हो रही परंपरागत धान, गेहूं व मोटे अनाज के संरक्षण में कई वर्षों से काम कर रहे हैं। उन्होने सीमित संसाधन होने के बाद भी नागौद के पिथौराबाद गांव में अपने घर के चार कमरों में कृषि आधारित समाज में भूले बिसरे उपकरणों का एक संग्रहालय बनाया है। इस संग्रहालय को देखने देश सहित विदेश से आने वालों का भी तांता लगा रहता है। 83 वर्षीय वर्षीय बाबूलाल जी ने गाँव की शिल्प वस्तुएं जो कभी कृषि आश्रित समाज की जीवन शैली से जुड़ी हुई वस्तुओं को संगहित कर घर के ऊपरी मंजिल पर बने 4 कमरों को संग्रहालय में परिवर्तित कर दिया है। जहां विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं सहित पर्यावरण प्रेमियों का आगमन होता रहता है।

पद्मश्री बाबूलाल दाहिया के नाती अनुपम दाहिया ने बताया कि जब हम राजे महाराजों के किसी प्राचीन वस्तुओ के संग्रहालय में जाते हैं तो वहां उनके भाला, बरछी, ढाल, तलवार आदि सभी प्राचीन आयुध अपने इतिहास के साथ सुब्यवस्थित रूप में मिल जाते हैं। पर हमारी खेती की पद्धति और रहन-सहन बदल जाने से कृषि आधारित समाज के लगभग 2000 तरह के तमाम उपकरण यंत्र एवं बर्तन चलन से बाहर हो कर गुमनामी का रूप ले चुके हैं। मशीनी युग आने और खेती की पद्धति बदल जाने से आज वह वस्तु या तो घर के किसी कोने में धूल फांक रही हैं या वहां से निकाल बाहर कर दी गई हैं। इसलिए उन्होंने लकड़ी के उपकरण, लौह उपकरण, मिट्टी के बर्तन एवं वस्तुएं, बाँस के बर्तन एवं सामग्री, धातु के बर्तन, पत्थर के बर्तन एवं उपकरण,चर्म बस्तुए सभी मिलकर लगभग 2000 से अधिक वस्तुएं एक ही छत के नीचे एकत्र किया है। यह वर्तमान व भावी पीढ़ी के लिए संग्रहालय है जिसका भ्रमण करके कृषि की विकास यात्रा के बारे में ज्ञान हासिल कर सकेंगी। उनके इस सपने को साकार करने उनके गांव सहित जिले व प्रदेश के अन्य राज्यों के मित्रों का भरपूर सहयोग मिल रहा है इससे जुड़ी अमूल्य वस्तुएं भी कुछ महानुभवों ने भेट करना शुरू कर दिया है। उन दान दाताओं की वस्तु न सिर्फ म्यूजियम में सजाकर रखी गई है बल्कि उनके चित्र और नाम भी लिखवाया गया है।

सात शिल्पी स्वनिर्मित वस्तुएं समूचे समाज को देते थे

उन्होने बताया कि संग्रहालय में रखी गई वस्तुएं कृषि आश्रित समाज की जीवन शैली से जुड़ी थी और गाँव के शिल्पी ही उन्हें बनाते थे। सात ऐसे शिल्पी थे जो अपनी स्वनिर्मित वस्तुएं समूचे समाज को देते थे। जिनमे लौह शिल्पी, काष्ठ शिल्पी, मृदा शिल्पी, प्रस्तर शिल्पी, बाँस शिल्पी, चर्म शिल्पी, धातु शिल्पी, इन सातों ग्रामीण शिल्पियो के बनाए यंत्रों, उपकरणों एवं परिकल्पित वस्तुएं संग्रहालय मे रखी गई है। इन तमाम शिल्पियों ने किसी संस्थान में जाकर कभी इसका प्रशिक्षण नहीं लिया था? सारे उपकरण सारे यंत्र खुद ही बनाए और समस्त हुनर की स्वयं ही परिकल्पना करते थे। गाँव की अपनी उस आत्मनिर्भर सरकार में काश्तकार, शिल्पकार एवं कृषि श्रमिक समाज के तमाम लोग थे जिनके सभी के कृषि उपज के हिस्से बंधे थे और व्यापार बहुत अल्प अवस्था में था। विकास की धुरी ही गांव से संचालित थी। और उस धुरी को घुमाने वाले हमारे इन देशज इंजीनियर ही थे।

संग्रहालय में कुछ अस्त्र शस्त्र भी हैं मौजूद

कृषि उपकरणों पर आधारित संग्रहालय में जहां अनेक कृषि यंत्र उपकरण एवं बर्तन है वहीं कुछ अस्त्र शस्त्र भी है। क्योंकि किसान खेत रात बिरात जाते और वहां बस कर जंगली जानवरों रखवाली करते थे, तो ऐसे समय में आसन्न खतरों से कुछ अस्त्र-शस्त्र भी रखना जरूरी होता था। इनमें बरछी, गड़ासा, बल्लम, फरसा, तलवार या गुप्ती आति कुल्हाड़ी तो रोजमर्रा की हाथ में रखने वाला अस्त्र थी। इसके अलावा संग्रहालय में एक अत्यंत दुर्लभ ठाकुर रनमत सिंह की तलवार रखी गई है जिसे सतना सांसद के हाथों रामदास पयासी द्वारा भेंट कराया गया था। संग्रहालय का उद्घाटन जनवरी 2023 में तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम, संसद गणेश सिंह व विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा की उपस्थिति में हुआ था।

दो दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 1193 मरीज लाभान्वित

दो दिनों में 372 मरीजों की हुई जांचें

नगर संवाददाता, सतना।

पं.गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा आयोजित दो दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का समापन समारोह विवेकानंद सभागार में आयोजित किया गया। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के अध्यक्ष शैलेंद्र प्रताप सिंह, कार्यक्रम की अध्यक्षता बिरला विकास हॉस्पिटल के डायरेक्टर संजय माहेश्वरी, सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के व्यवस्थापक प्रदीप ताम्रकार रहे एवं सेवा न्यास अध्यक्ष डॉ राकेश मिश्र ने सर्वप्रथम भारत माता व सेवा न्यास के मार्गदर्शन व प्रेरणा स्रोत परम पूज्य दद्दा जी एवं बाई के चित्र पर माल्यार्पण पुष्पांजलि अर्पित करते हुए दीप प्रज्वलन किया व उनके बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। डॉ राकेश मिश्र ने सेवा न्यास के द्वारा किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि एक्शन बालाजी कैंसर हॉस्पिटल के 20 डॉक्टरों की टीम द्वारा आज 627 मरीजों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। सेवा न्यास की मातृ शक्ति की टीम के द्वारा महिला स्वच्छता के लिए निरंतर कार्य किये जा रहे हैं।

इनकी रही उपस्थिति

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यवाह मा. उत्तम बनर्जी, चित्रकूट विधानसभा के विधायक सुरेंद्र सिंह गहरवार, डॉ सुनील अग्रवाल, डॉ बी के.गांधी, जयदेव ताम्रकार, संजय अग्रवाल, विंध्य चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सतीश सुखेजा, इंजी रमेश जैन, हरिओम गुप्ता, सर्व समाज के अध्यक्ष संजय शाह, श्रीमती वर्षा त्रिपाठी, मेजर सुधीर रिछारिया, रोहित अग्रवाल लोहा, शंकर दयाल त्रिपाठी, पन्नालाल अवस्थी, मौसम ताम्रकार, मुकेश तिवारी सहित सैकड़ो की संख्या में सेवा न्यास कार्यकर्ता एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

एकेएस ने किया डब्ल्यूसीएल माजरी कोयला क्षेत्र में तकनीकी कार्यशाला का आयोजन

नगर संवाददाता, सतना।

एकेएस विश्वविद्यालय, सतना के खनन अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 27 जुलाई को वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के माजरी कोयला क्षेत्र में एक दिवसीय तकनीकी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विभागाध्यक्ष डॉ. बी.के. मिश्र, वरिष्ठ प्रोफेसर जी.के. प्रधान एवं प्लेसमेंट अधिकारी श्री बालेंद्र विश्वकर्मा ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। कार्यशाला का उद्घाटन माजरी क्षेत्र के महाप्रबंधक एवं वरिष्ठ अभियंता अविनाश प्रसाद द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन वक्तव्य में उन्होंने खनन उद्योग में सुरक्षा मानकों और नवीनतम तकनीकों की अनिवार्यता पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर अविनाश प्रसाद को एकेएस विश्वविद्यालय की ओर से एलुमनी सम्मान से भी सम्मानित किया गया।

उन्होंने विश्वविद्यालय से ही खनन अभियांत्रिकी में एमटेक की उपाधि प्राप्त की है।कार्यशाला के तकनीकी सत्र में प्रो.जी.के. प्रधान ने स्टॉर्म सेफ्टी एवं नई तकनीकों के व्यवहारिक प्रयोगों पर जानकारी साझा की, वहीं डॉ. बी.के. मिश्र ने खानों में ढलानों की स्थिरता और उससे संबंधित सुरक्षा पहलुओं पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। एकेएस विश्वविद्यालय खनन उद्योग के साथ निरंतर समन्वय बनाते हुए अपने विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने हेतु खानों का शैक्षणिक भ्रमण कराता रहा है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के छह छात्र इस तकनीकी भ्रमण में सम्मिलित हुए और माजरी क्षेत्र की खानों का प्रत्यक्ष अध्ययन किया।

अनुभूति फाउंडेशन ने रोपे 1100 पौधे

वृक्ष हमारे जीवन की बहुमूल्य धरोहर

नगर संवाददाता, सतना।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्यरत अनुभूति फाउंडेशन द्वारा रविवार को सतना-रीवा बायपास मार्ग पर पौधरोपण के प्रथम चरण में 1100 पौधे रोपे गए। इस अवसर पर अनेक जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं सेवा मित्रों की सक्रिय उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश शासन की राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी रहीं। विशिष्ट अतिथियों में महापौर योगेश ताम्रकार, पूर्व जनपद अध्यक्ष गेंदलाल पटेल, प्रदीप यादव, वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री हरिओम गुप्ता, फाउंडेशन के वरिष्ठ सदस्य डॉ. डी. के. तिवारी, तथा अध्यक्ष संजय बड़ेरिया मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन संस्था के सचिव पीयूष गुप्ता ने किया। पौधरोपण करते हुए राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए वृक्षों को सुरक्षित रखना नितांत आवश्यक है। धरती को हरा-भरा बनाए रखने के लिए सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए तथा उनकी देखरेख के लिए भी सजग रहना चाहिए।

महापौर योगेश ताम्रकार ने अपने उद्बोधन में कहा कि सतना नगर निगम को जो पर्यावरण संरक्षण हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है, उसमें सबसे बड़ा योगदान अनुभूति फाउंडेशन का रहा है। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार प्रदूषण निवारण मंडल के सर्वे के आधार पर मिला, जिसमें तीन मुख्य बिंदु शामिल थे – तालाबों का संरक्षण, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और वृक्षारोपण। नगर निगम ने तीन वर्षों में सात तालाबों का निर्माण कराया, तीन एसटीपी लगाए गए जिनमें से धवारी का प्लांट कार्यशील है। इस अभियान में अनुभूति सेवा मित्रों के साथ-साथ शहर के अनेक प्रबुद्ध नागरिकों ने सहभागिता निभाई। प्रमुख रूप से उपस्थित रहे- नरेंद्र चंद्र गुप्ता, सुरेश बड़ेरिया पार्षद आदित्य यादव, शारदा तिवारी,राजेश सिंह ग़हिरवार पूर्व पार्षद, रामावतार त्रिपाठी, इंजीनियर राकेश रैकवार, अशोक कुमार, विमल अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, सत्यम गुप्ता, सहित अनेक पर्यावरण प्रेमी. उपस्थित रहे।

लायंस क्लब सतना प्रकृति का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

सागर अध्यक्ष, जितेन्द्र ने सचिव का पदभार संभाला

नगर संवाददाता, सतना।

लायंस क्लब सतना प्रकृति का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। समारोह में सागर अग्रवाल अध्यक्ष, जितेंद्र साबनानी सचिव, सुधीर अग्रवाल कोषाध्यक्ष, विजय कुमार वाधवानी विक्की प्रथम उपाध्यक्ष बने। रविवार को पी एम जे एफ लायंस विजय अग्रवाल डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि लायन कैलाश अग्रवाल डिस्ट्रिक्ट कैबिनेट कोषाध्यक्ष, लायन वीरेंद्र वर्मा रीजन चेयरपर्सन, लायन अशोक जायसवाल एवं शपथ अधिकारी लायन वीरेंद्र आर्य के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नवनियुक्त सचिव जितेंद्र साबनानी ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित लायंस क्लब सतना प्रकृति के नव नियुक्त प्रवक्ता मनोज नोतानी जी,लायन अभिषेक अग्रवाल,पी एम जे एफ लायन विजय अग्रवाल डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन कैलाश अग्रवाल डिस्ट्रिक्ट कैबिनेट कोषाध्यक्ष, लायन वीरेंद्र वर्मा रीजन चेयरपर्सन, लायन वीरेंद्र आर्या रीवा,लायन अशोक जायसवाल, लायन पंकज अग्रवाल लायन, जितेंद्र सावनानी, लायन विजय वाधवानी, लायन अतुल जैन, लायन सुधीर अग्रवाल, लायन जितेंद्र आवतवानी, सागर अग्रवाल आदि साथी उपस्थित रहे।

आई.एम.ए.ने डॉ. सोनी को दी श्रद्धांजलि

नगर संवाददाता, सतना।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सतना इकाई ने अत्यंत दुख के साथ सूचित किया है कि सर्किट चौक पर ट्रैफिक प्रबंधन की स्पष्ट लापरवाही के कारण एक वरिष्ठ चिकित्सक की दुखद मृत्यु हो गई है। यह घटना स्वास्थ्य और समाज के लिए एक गंभीर चिन्तास्पद दृष्टिकोण है। आई.एम.ए. सतना के अध्यक्ष डॉ.राकेश अग्रवाल ने इस दुखद घटना पर गहरा क्षोभ व्यक्त करके हुए कहा कि विगत दिवस सर्किट चौक सतना पर ट्रैफिक नियंत्रण की असंगत व्यवस्था के कारण वरिष्ठ डॉ.आर एन सोनी एक तेज रफ्तार बस की चपेट में आ गए। जिससे डॉक्टर को गंभीर चोटें आई और उन्हें तत्काल सतना जिला अस्पताल लाया गया और फिर उपचार के दौरान जबलपुर में कल मृत्यु हो गई। सचिव डॉ.अलोक खन्ना ने कहा कि ट्रैफिक नियंत्रण में इस तरह की लापरवाही जन सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है जिसकी वजह से एक सम्मानित चिकित्सक की जान चली गई है। आई एम ए ने जिला प्रशासन और पुलिस विभाग से अपेक्षा की है कि सर्किट चौक एवं अन्य व्यस्त स्थानों पर ट्रैफिक लाइट की तत्काल क्रियान्वयन, सभी चौक में सख्त नियमों के साथ ट्रैफिक पुलिस तैनात, समाज के साथ सुरक्षा समिति का गठन, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदी रोकी जा सके।

नवांकुर सखी हरियाली उत्सव कार्यक्रम को हम सब करेंगे पूरा : संजय सिंह

नगर संवाददाता, सतना।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक डॉक्टर राजेश तिवारी के निर्देशन एवं विकासखंड समन्वयक विजयेंद्र जड़िया के मार्ग दर्शन में सेक्टर 1 में बद्रीश सेवा संस्थान द्वारा नवांकुर सखी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संजय सिंह कछवाह जिला पंचायत सदस्य अध्यक्ष के रूप में निरंजन जायसवाल संसद प्रतिनिधि विशिष्ट अतिथि के रूप में पुष्पेंद्र सिंह, अवध बिहारी मिश्रा, निखिल गौतम, शिव शंकर पाण्डे, राजेंद्र चौरसिया एवं विकासखंड समन्वयक विजयेंद्र जडिया थे कार्यक्रम में मुख्य रूप से कलश यात्रा कलश पूजन अतिथियों का स्वागत अतिथियों का उद्भव उद्बोधन एवं महिलाओं को वृक्ष प्रदान किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत नावांकुर सखी के द्वारा रैली निकाली गई रैली की शुरुआत ग्राम पंचायत बारोंधा से दुर्गा मंदिर और फिर वापस ग्राम पंचायत बारोंधा तक की गई कलश यात्रा में मंचासीन अतिथि, महिलाएं पुरुष एवं गांव के लोगो द्वारा बैंड बाजे के साथ किया गया इसके बाद अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण पुष्प गुच्छ,और बैच के माध्यम से किया गया कार्यक्रम में मंच संचालन राम स्वरूप गर्ग द्वारा किया गया।

आयोजन जिले के 1376 बूथ केंद्र पर सुनी गई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात'

पीएम के मन की बात के विचारों को बूथों तक पहुंचाएं कार्यकर्ता : पं. भगवती

नगर संवाददाता, सतना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का कार्यक्रम 27 जुलाई को लाइव प्रसारण के माध्यम से राष्ट्र को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी अपने अनुकरणीय विचारों के जन-जन तक, कार्यकर्ता सर्व समाज को एकत्रित करते हुए श्री मोदी जी के विचारों को सुनी, गई। भाजपा जिला अध्यक्ष पंडित भगवती प्रसाद पाण्डेय ने मन की बात कार्यक्रम को वार्ड 22 में बूथ नंबर 267 में कार्यकर्ताओं के साथ सुना। इस अवसर पर भाजपा मन की बात कार्यक्रम, जिले के सभी 26 मंडलों के 1376 बूथ केंद्र पर स्क्रीन लगाकर सर्व समाज को कार्यकर्ता जागरूक होकर के साथ सुनवाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात, के विचार युवाओं किसानों गरीबों और मजदूर महिलाओं योग शिक्षा स्वच्छता एवं खेल तथा निर्धारित विषयों के साथ अपना मार्गदर्शन किया है। उन्होंने कहा श्री मोदी के इस कार्यक्रम के माध्यम से हर समाज में जागरूकता आई है। सभी कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने बूथ पर 11 बजे बड़ी स्क्रीन लगाकर सर्व समाज के लोगों को एकत्रित करते हुए इस कार्यक्रम को प्रभावी रूप से संपन्न करते हुए मोदी जी के मन की बात के विचारों को लोगों को सुनवाया। शहर के वार्ड क्रमांक 06 के बूथ नंबर 120 पार्टी जिला कार्यालय में मध्य प्रदेश शासन कि मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी सांसद गणेश सिंह महापौर योगेश ताम्रकार पूर्व महापौर ममता पांडेय की उपस्थिति में मन की बात कार्यक्रम को सुना।

भाजपा कार्यालय में राज्यमंत्री, सांसद सहित पदाधिकारी भी रहे मौजूद

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय सतना में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण किया गया। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के उपरांत सतना सांसद गणेश सिंह ने कहा कि मन की बात न केवल प्रधानमंत्री और जनता के बीच संवाद का सशक्त माध्यम है, बल्कि यह कार्यक्रम हमें राष्ट्र सेवा के लिए एकजुट होकर कार्य करने की प्रेरणा भी देता है। उन्होंने कहा कि यह संवाद जनसहभागिता को सशक्त बनाता है और समाज में रचनात्मक बदलाव लाने की दिशा में हम सभी को प्रोत्साहित करता है।

इनकी रही उपस्थिति

इस दौरान जिला महामंत्री रमाकांत गौतम जिला उपाध्यक्ष विजय तिवारी जिला मंत्री संजीव दुबेदी जान्हवी त्रिपाठी जय प्रताप गुप्ता कार्यालय मंत्री सुनील सेनानी अभिषेक तिवारी जिला मीडिया प्रभारी श्याम लाल गुप्ता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सौभाग्य केसरी मंडल अध्यक्ष संजय अग्रवाल चांदी महेंद्र तिवारी अभिनव त्रिपाठी शैलेन्द्र शर्मा अतुल सिंह परिहार केशव कोरी रामबाबू त्रिपाठी रेखा सिंह गहरवार अर्चना सिंह प्रियंक त्रिपाठी विष्णु अग्रवाल अनिल गुप्ता रामसागर पांडेय मनीष शर्मा राकेश दामन राजेंद्र गुप्ता मिथलेश पटेल अविनाश कुमार सोनू शिवाकांत पाण्डेय राकेश सोनी सहित उपस्थित रहे।

विन्ध्य विकास फोरम ने पौधरोपण की कड़ी में पुनः रोपण किया

नगर संवाददाता, सतना।

पर्यावरण के लिए जागरूक एवम सतना को हराभरा रखने के लिए संकल्पित सामाजिक संस्था विन्ध्य विकास फोरम द्वारा लगातार पांचवे सप्ताह आज वार्ड क्रमांक 4 पुराणिक टोला स्तिथ मुक्तिधाम में पीपल, नीम, बरगद, शीशम, महुआ इत्यादि के लगभग तीन दर्जन से अधिक पौधे रोपे गए एवम उनकी पूर्ण सुरक्षा की जिम्मेवारी ली गयी उक्त कार्यक्रम के संयोजक समाजसेवी पार्षद अमित अवस्थी रहे एवम वृक्षारोपण में मुख्यरूप से फोरम के अध्यक्ष राजीव गुप्ता, योगेश शर्मा, गौरव प्रताप सिंह,जय अग्रवाल, राकेश त्रिपाठी, संजय अग्रवाल,पी के अवस्थी, अविनाश सिंह पप्पी,रमाकांत शुक्ला,प्रमोद श्रीवास्तव,संजीव श्रीवास्तव,भूपेश दयाल सिंह,मुनेश चौधरी,सोनू सहित अन्य सदस्यगण उपस्तिथ रहे।

संक्षिप्त समाचार

अंगद की पांव तरह जमा है हर्दी पंचायत का पटवारी

रीवा संवाददाता। हनुमना जनपद पंचायत के ग्राम हरदी पंचायत में कई अर्से से पदस्थ रामबक्स साकेत पटवारी अंगद की पांव तरह जमे हुए हैं। बताया जाता है कि इन पटवारी महोदय को कई पंचायत का प्रभार भी दिया गया है। विगत माह पहले शासन द्वारा कई पटवारियों का तबादला भी किया गया है लेकिन हरदी पंचायत के पटवारी को टस से मस नही किया गया,इनके ऊपर शासन इतना मेहरबान क्यों है बड़ा सवाल है? 8-9 वर्षों से एक ही पंचायत में पदस्थ पटवारी श्री साकेत के खिलाफ जनता द्वारा कई बार हनुमना तहसील में शिकायत की गयी लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। सूत्रों बताते हैं कि पटवारी रामबक्श साकेत जो भ्रष्टाचार एवं रिश्वतखोरी में पूरी तरह लिप्त रहते हैं,ने एक दलाल नियुक्त किया हुआ है जो नम्बर दो के पैसे का पूरा लेनदेन रखता है। ग्रामीणों द्वारा बताया गया है कि कई बार मारपीट की वारदातें भी हो चुकी है और तो और अपना निवास शाहपुर पंचायत भवन में बना के रखे हैं। हरदी ग्राम पंचायत के लोगों ने जिला कलेक्टर से मांग की है रामबक्स पटवारी के ऊपर जांच कराया जाए।

जन शिक्षा केंद्र में कार्यशाला व समीक्षा बैठक का आयोजन

रीवा संवाददाता। नवागत जिला शिक्षा रीवा रामराज मिश्रा एवं डीपीसी रीवा के निर्देशन में शासकीय हायर सेकंडरी विद्यालय महसांव जन शिक्षा केंद्र रीवा में एजुकेशन पोर्टल 3.0 द्वारा विद्यार्थियों की मैपिंग, प्रोफाइल, गणवेश वितरण, साइकिल वितरण, यूडिस प्लस, ,ई-अटेडेंस आदि योजनाओं की कार्यशाला एवं समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। समीक्षा बैठक प्राचार्य राजकुमार सिंह के नेतृत्व में राम कृष्ण द्विवेदी द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में राजेश चौरसिया,देवेंद्र पटेल, प्रधानाध्यापक ललित साकेत, राजेश सिंह, विशाल शुक्ला, प्रमोद श्रीवास्तव और जन शिक्षा केंद्र के अंतर्गत समस्त विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों ने सहभागिता की एवं योजनाओं को एडुकेशन पोर्टल 3.0 द्वारा क्रियाशील करने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रदेश में इस वर्ष स्कूल के बच्चों को 4.30 लाख साइकिल वितरित की जायेगी एवं 10 लाख से अधिक विद्यार्थियों को निशुल्क गणवेश वितरण किया जाएगा।

शोध के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय दबदबा बनाता हुआ विंध्य

भौतिकी में डॉ. आशीष का इंटरनेशनल पेटेंट हुआ ग्रांट

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा सहित पूरे विंध्याचल के लिए गौरव की बात है,अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा भौतिक विज्ञान के शोधार्थी रहे डॉ आशीष पाण्डेय(अतिथि विद्वान)का इंटरनेशनल पेटेंट ग्रांट हुआ है। जैसा की विदित हो पिछले दो पेटेंट उनके नेशनल थे अब तीसरा पेटेंट यूनाइटेड स्टेट(यूएस) से ग्रांट हुआ है। डॉ पाण्डेय का पूरा शोध देश के जानेमाने वैज्ञानिक भौतिकविद प्रोफेसर एपी मिश्रा के मार्गदर्शन में किया है,साथ ही डॉ श्याम सिंह चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के साथ ये पेटेंट में काम किया है। डॉ आशीष पाण्डेय ने बताया की उपकरण का उद्देश्य वास्तविक समय में सौर विकिरण स्तरों को मापना और उनकी निगरानी करना और वैकल्पिक रूप से डेटा को लॉग करना या क्लाउड-आधारित सर्वर पर प्रेषित करना, जैसे अनुप्रयोगों के लिए सौर फार्म दक्षता,स्मार्ट कृषि,भवन ऊर्जा प्रबंधन,जलवायु अनुसंधान,शैक्षणिक प्रयोग साथ ही डेटा प्रबंधन-एसडी कार्ड मॉड्यूल - ऑफ़लाइन डेटा लॉगिंग,वाई-फ़ाई/जीएसएम मॉड्यूल - क्लाउड अपलोडिंग (थिंगस्पीक, ब्लिंक, फ़ायरबेस, आदि के माध्यम से),ओएलईडी डिस्प्ले - स्थानीय दृश्य, रीयल-टाइम क्लॉक (आरटीसी) - टाइमस्टैम्प लॉगिंग (डीएस3231/डीएस1307) पर काम किया है। अनुप्रयोग- ऊर्जा क्षेत्र,सौर पैनल प्रदर्शन निगरानी,झुकाव कोणों का

अनुकूलन, कृषि,सूर्य के प्रकाश पर आधारित स्मार्ट सिंचाई,फसल वृद्धि मॉडलिंग,शैक्षणिक अनुसंधान,जलवायु डेटा विश्लेषण,पर्यावरण विज्ञान प्रयोग, शहरी नियोजन,भवनों के लिए सौर जोखिम,स्मार्ट ग्रिड इनपुट भविष्यवाणी शामिल है। डॉ पाण्डेय की इस उपलब्धि में प्रोफेसर एपी मिश्रा सहित कुलगुरू,कुलसचिव,डॉ सीएम तिवारी,डॉ अतुल तिवारी,डॉ अनुराग मिश्र,डॉ कमलेश मिश्र,डॉ विजय मिश्रा,डॉ सुनील पाण्डेय,डॉ एसपी सिंह एपीएस यूनिवर्सिटी एवं डॉ रामलला शुक्ल,डॉ एस एम शुक्ला,डॉ अंजली सिंह,डॉ आरके तिवारी,डॉ स्कन्द मिश्रा,डॉ सैलजा सचान आदि ने प्रसन्नता व्यक्त की।

एक सफल शिक्षक की असली पूंजी उनके विद्यार्थी हैं: प्रो. एपी मिश्रा

हमारे रीवा सहित विंध्य में प्रतिभाओं की कमी नहीं है,बस युवा शोधार्थियों/विद्यार्थियों को सही राह दिखाने की ज़रूरत है। एक सफल शिक्षक की असली पूंजी उनके विद्यार्थी ही होते हैं।इस क्षेत्र में शोध को और तेज गति देने की ज़रूरत है। इस उपलब्धि के लिए तीनो प्रिय विद्यार्थी डॉ आशीष एवं डॉ श्याम सिंह एवं डॉ कल्पना सिंह को हार्दिक शुभकामनायें।

प्रो. एपी मिश्र
अंतरिक्ष भौतिकविद एवं पूर्व विभागाध्यक्ष भौतिकी, अ.प्र. सिंह बिवि, रीवा

हिंदू उत्सव समिति महिला शाखा ने मनाया हरियाली उत्सव

फूलों से सजाए झूले, सावन के गीत संग किए भजन व मेहंदी प्रतियोगिता

रीवा, नगर संवाददाता।

शहर के अटल पार्क में हिन्दू उत्सव समिति धर्म परिवार के अध्यक्ष गुरमीत सिंह मंगू के मार्गदर्शन में महिला शाखा इकाई अध्यक्ष ऋचा गुप्ता के नेतृत्व में महिला पदाधिकारियों व सदस्य बहनों ने शनिवार को हरियाली तीज महोत्सव मनाया। इस अवसर पर फूलों से झूले को सजा कर बहनों ने सावन के गीत, कजरी गाते हुए झूला झूलकर मस्ती की तथा भगवान विष्णु को खुश करने भजन गाकर नृत्य भी की। इस दौरान मेहदी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें गीताजंली सिन्हा प्रथम, सोनम विशेन द्वितीय व शर्मीला पटेल तृतीय स्थान प्राप्त की, जिन्हें धर्म परिवार की ओर से स्मृति चिन्ह संरक्षक नारायण डिगवानी, सुनील अग्रवाल, नगर अध्यक्ष अनिल मिश्रा, सांस्कृतिक सचिव राजीव वर्मा गुड्डू पार्षद मनीष नामदेव, प्रभात सिंह ने प्रदान किया। संरक्षक संतोषी गुप्ता, मार्गदर्शक रीशू गुप्ता, जिलाध्यक्ष ऋचा गुप्ता ने सभी बहनों का रोली-चन्दन लगाकर स्वागत किया। बहनों ने सावन, कजरी, मल्हारें व भजनों के द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन सचिव माधुरी सोधिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष चाँदनी गुप्ता, वर्षा शुक्ला सहसचिव, प्रिया गुप्ता सहसचिव, रजनी सिंह, रश्मी शुक्ला, लीना साहू प्रतिभा मिश्रा आदि काफी संख्या में महिला बहने हरी साड़ी परिधान में उपस्थित रही।

मनाया गया कारगिल विजय दिवस

भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम को नमन किया गया

रीवा, नगर संवाददाता।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला रीवा इकाई के तत्वाधान में 26 वां ऐतिहासिक कारगिल विजय दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल रहे,अध्यक्षता संगठन के प्रान्तीय अध्यक्ष मेजर जनरल निश्चय राउत ने किया, विशिष्ट अतिथि के रूप मे रीवा सांसद जनार्दन मिश्र, संरक्षक व पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी, ब्रिगेडियर एस.बी. सिंह राष्ट्रीय सचिव सार्जेन्ट रमेश पाण्डेय, प्रदेश संगठन महामंत्री सुबेदार प्रहलाद सिंह भदौरिया प्रांतीय संगठन मंत्री सुबेदार बी.पी. तिवारी, कर्नल जी.पी. सिंह, कर्नल सिवानन्द मिश्रा कैप्टन प्रदीप सिंह परिहार उपस्थित रहे थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे सैनिकों के पराक्रम सौर्य को पूरा विश्व सराहना कर रहा है कारगिल का युद्ध हो या आपरेशन सिन्दूर हो जिसमें दुश्मन देश पाक को घुटने के बल चार दिनों में ला दिया और सीज फायर के लिए मजबूर किया। विशिष्ट अतिथि रीवा सांसद ने कहा कि हमारी भारतीय सेना भारत देश के आन बान सान के लिए हमेशा अपना बलिदान देने के लिए तैयार रहती है हम सभी नमन करते हैं। प्रान्तीय अध्यक्ष जनरल निश्चय राउत ने संगठन और कारगिल युद्ध की जानकारी दिए। कर्नल जी.पी. सिंह, लक्ष्मण तिवारी ने सैनिकों के कल्याणार्थ योजनाओं पर प्रकाश डाला।

इन वीर नारियों एवं वीर माता-पिता का किया गया सम्मान

उक्त कार्यक्रम मे वीर नारियों एवं वीर माता-पिता का भी सम्मान किया गया जिसमे मुख्य रूप से शहीद सिपाही रामचरण शुक्ल की वीरनारी श्रीमती सियादुलारी ग्राम पोस्ट खड्डा, शहीद नायक आर.एन. मिश्रा की वीर-नारी श्रीमती कृष्णा मिश्रा- भगदेवा हनुमना, शहीद लैन्स नायक रामसजीवन जायसवाल की वीर-नारी श्रीमती देववती जायसवाल-ऊंची ढेरा, शहीद नायक सुभाष कुमार त्रिपाठी की वीर-नारी श्रीमती मीना त्रिपाठी-गुढ़वा गुढ़, शहीद नायक देवेन्द्र कुमार द्विवेदी की वीर-नारी श्रीमती सुनीता द्विवेदी बाणसागर रीवा, शहीद नायब सुबेदार पुष्पराज सिंह की वीर-नारी श्रीमती सबिता सिंह सेमरिया, शहीद नायक कालू प्रसाद पाण्डेय की वीर-नारी श्रीमती श्यामकली पाण्डेय डेरबा जवा, शहीद सिपाही प्राणनाथ तिवारी की वीर-नारी श्रीमती पुष्पा तिवारी वार्ड नं 8 आनंद नगर, शहीद सिपाही जितेन्द्र कुशवाहा की वीर-नारी श्रीमती सविता कुशवाहा करहरी त्योंथर, शहीद सिपाही सुधाकर सिंह की वीर-नारी श्रीमती दुर्गा सिंह डढ़िया चुरहट, शहीद सिपाही रामभुवन पटेल की वीर -नारी श्रीमती आशा देवी नईगढी, शहीद नायक भैरव शुक्ला की वीर-नारी श्रीमती नैना शुक्ला सौर बैंकुण्ठपुर, शहीद सिपाही अवधेश तोमर की वीर-नारी श्रीमती सरोज तोमर द्वारिका नगर, शहीद सिपाही रावेन्द्र मिश्रा (सीआरपीएफ) की वीर-नारी श्रीमती आभा मिश्रा कोल्हारू मनगवां, शहीद हेड प्रधान आरक्षक (एचसी) रामचरण द्विवेदी बीएसएफ की वीर-नारी श्रीमती सुमित्रा द्विवेदी देवरा गोविन्दगढ, शहीद सिपाही प्रदीप जायसवाल की वीर -माता श्रीमती रामरती जायसवाल ऊंची ढेरा, शहीद मेजर कमलेश पाठक की वीर-माता श्रीमती मीरा पाठक जामू सिरमौर शहीद मेजर आशीष दुबे की वीरमाता श्रीमती गीता दुबे दुबगवां मनगवां, शहीद लैंस नायक दीपक सिंह (वीर चक्र) के वीर पिता श्री गजराज सिंह फरेंदा मनिकवार, शहीद सिपाही रघुनाथ द्विवेदी (असम राइफल) के वीर पिता कैप्टन आर. एस. द्विवेदी लौरी जवा, शहीद किशन कुमार त्रिपाठी की वीर-नारी श्रीमती सुनिता त्रिपाठी वार्ड नं 5 रीवा शामिल रहें। साथ ही कारगिल विजय दिवस में सम्मानित होने वाले जो उत्कृष्ट कार्य करने वाले पूर्व सैनिक, प्रशासनिक अधिकारी, समाजसेवी जिसमे मुख्य रूप से हवलदार योगेश कुमार तिवारी, कैप्टन एस.आर. नापित (पार्षद वार्ड नं 16), पेटी आफिसर जितेन्द्र वर्मा (एस.डी.एम.), डॉ. कल्पना मिश्रा पुत्री राजीव लोचन मिश्रा (बी.एस.एफ.), हवलदार रामप्रसाद शुक्ला, डॉ. राकेश पटेल (डायरेक्टर आफ विहान हास्पिटल रिसर्च सेन्टर रीवा), अमित द्विवेदी (प्रबंधक यूकेएस पैलेस रीवा), हवलदार दिनेश कुमार द्विवेदी (एएमसी), शिवशंकर शुक्ला (तहसीलदार हुजूर नगर), नायब सुबेदार संतोष मिश्रा (स्कीम नं 6 के अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष), कैप्टन अनिल कुमार सिंह, सुबेदार मेजर रमेश प्रसाद तिवारी, नायब सुबेदार दिलीप कुमार पाण्डेय, कैप्टन बीजी शर्मा आदि लोगों का सम्मान किया गया।

स्कूलों में ऑपरेशन सिंदूर के साथ सीज फायर का राज भी पढ़ाया जाए: शिव सिंह

रीवा, नगर संवाददाता।

पाकिस्तान एवं पाकिस्तानी आतंकियों से पहलगाम घटना का बदला लेने भारत सरकार द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर का संपूर्ण विपक्षी राजनीतिक दलों सहित पूरे देश ने एक स्वर में समर्थन किया तथा देश की प्रमुख तीनों सेनाओं का जबरदस्त हौसला अफजाई किया,पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट था फिर सरकार ने अचानक सीज फायर का ऐलान किया और अब सरकार देशभर के स्कूलों में ऑपरेशन सिंदूर का कोर्स पढ़ाए जाने का ऐलान कर दिया जहां कई भाजपा शासित राज्यों में ऑपरेशन सिंदूर कोर्स की शुरुआत भी कर दी गई। बीजेपी सरकार का कहना है कि स्कूलों में ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बच्चों को पढ़ाए जाने से सेना की बहादुरी का उन्हें पता चलेगा और वह गौरवान्वित महसूस करेंगे। जिसको लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव शिव सिंह ने सरकार से सवाल करते हुए कहा कि विगत 22 अप्रैल को आतंकियों ने पहलगाम घटना को अंजाम दिया जिसमें 26 की संख्या में निर्दोष लोग मारे गए थे,सरकार ने घटना में शामिल कितने आतंकवादियों को अभी तक में मरवाया देश को बताए तथा यह भी बताए कि बिना परिणाम के देश की सेना द्वारा की जा रही सैन्य कार्यवाही को अचानक सीजफायर करके क्यों रोका,किसके दबाव में रोका यह भी देश को बताएं तथा स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले ऑपरेशन सिंदूर कोर्स में भी इन दोनों महत्वपूर्ण तथ्यों को भी शामिल किया जाए।

नौकरी छूटने की आशंका से जूझ रहे डायल 100 के चालक

नई कम्पनी की शुरू हुई भर्ती प्रक्रिया

रीवा, नगर संवाददाता।

आज के इस दौर में जब बेरोजगारी चरम पर चल रही है,नई पीढ़ी रोजगार होने के लिये दर-दर भटक रहा है,उस स्थिति में जो युवा जहॉ पर लगा हुआ है उसे ही स्थायीपन समझकर अपना और परिवार का भरण पोषण कर रहा है,ऐसी स्थिति में अगर उसे निकाले जाने की आशंका समझ आने लगे तो मानों उसके गले में जैसे जहर अटक गया हो? वर्तमान में डायल 100 वाहन में पदस्थ चालकों की स्थिति ठीक इसी तरह बनी हुई है। नयी कम्पनी ने इसका ठेका ले लिया है,जिसने नयी भर्ती शुरू की है। नयी भर्ती में नये लोगों को रखा जायेगा,ऐसा माना जा रहा है ,उस स्थिति में पुराने चालक कहां जायेंगे,यह सवाल पुराने चालकों के जेहन में बना हुआ है। हालांकि नई कंपनी ने अभी तक कार्यभार नहीं संभाला है, लेकिन कंपनी ने नए काम के संचालन की प्रक्रिया शुरू कर नए पायलटो की भर्ती भी शुरू कर दी है, ऐसे में डायल 100 के पुराने पायलट अब इस संशय में है कि उन्हें नौकरी पर रखा जाएगा या नहीं।बताया जा रहा है कि डायल 100 के पायलटो द्वारा मुख्यमंत्री की आगमन पर उन्हें अपनी समस्याओं से संबंधित ज्ञापन पत्र सोपा गया है।

ज्ञापन पत्र में डायल 100 के पायलटो ने नौकरी में रखे रहने की मांग की है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि साल 2015 से शुरू हुई डायल 100 की सेवा के शुरुआत से ही वह पायलट का काम कर रहे हैं। बीते 10 वर्षों से यह पायलट पुलिस और प्रशासन के साथ काम पर डटे रहे, लेकिन अब डायल 100 की जगह 112 की नई शुरुआत होने जा रही है और इस काम को नई कंपनी द्वारा संचालित किया जाएगा, जिसके लिए बाकायदा नई भर्ती भी शुरू कर दी गई है, ऐसे में 10 सालों से पायलट का काम करने वाले चालकों में अब बेरोजगारी और नौकरी खोने का संकट मंडराने लगा है।

पायलटो के मुताबिक पुरानी कंपनी द्वारा आठवीं पास लोगों को भर्ती कर नौकरी में रखा गया था, लेकिन अब नई कंपनी ने दसवीं की योग्यता अनिवार्य कर दी है और 40 साल की उम्र भी निर्धारित की है, ऐसे में आठवीं पास पुराने पायलट और 40 साल की उम्र पार कर चुके पायलटों को भी नौकरी से हाथ धोने का भय सता रहा है। सीएम को सौंपे गये ज्ञापन में डायल 100 के चालकों ने नौकरी में यथावत रखे जाने की मांग की है।

पौधरोपण कर मनायी गयी पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती

रीवा, नगर संवाददाता।

प्रकृति संरक्षण एवं शोध संस्थान समिति के तत्वाधान में भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती वृक्षारोपण कर मनायी गयी। मिसाइल मैन श्री कलाम ने अपने जीवन काल में शिक्षा को सर्वाधिक स्थान दिया। पर्यावरण प्रकृति से उनका बहुत बड़ा लगाव था उनका मानना था कि प्रकृति ईश्वर की सबसे अनमोल धरोहर है और प्रकृति से ही जीवन सभ्यता का परोक्ष और अपरोक्ष रूप में आधार है,वह दुनिया में जहां भी स्टूडेंट के साथ संवाद करते वहां प्रकृति पर्यावरण और वृक्षारोपण का जरूर विषय रखा करते थे। आज उनके जीवन का सार दुनिया के लिए एक प्रेरणा पुंज हैं। प्रकृति संरक्षण ने कल्पवृक्ष आम का वृक्षारोपण कर जन्म जयंती मनाई। इस दौरान मुख्य रूप से धर्मेंद्र यादव (गवर्नमेंट कॉलेज सतना के अध्यक्ष),संस्कृत भारती के जिला मंत्री संतोष त्रिपाठी,प्रकृति संरक्षण एवं शोध संस्थान समिति के प्रदेश सचिव अजय गौतम, रीवा से बजरंग दल के जिला संयोजक रामकृष्ण गौतम ,नीलेश शुक्ला, ईश्वर गौतम, श्रीमती रामप्यारी गौतम, सुमित गौतम, अभिषेक मिश्रा, अमित शुक्ला ,आदित्य गौतम आदि समाजसेवी सम्मिलित हुए।

आरोप दोगुना रेट में बाजार में बिक रही अमानक खाद, गुणवत्ता की कोई नहीं है गारंटी

किसानी के ऐन वक्त पर खाद के लिए परेशान हो रहे हैं किसान: नृपेन्द्र सिंह पिंटू

रीवा, नगर संवाददाता।

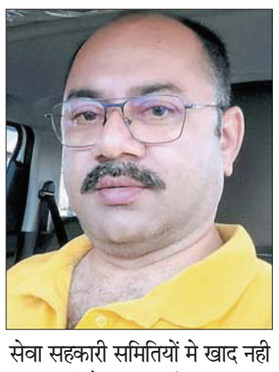

जिला किसान कांग्रेस कमेटी रीवा के अध्यक्ष नृपेन्द्र सिंह पिन्टू ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस समय रीवा और मऊगंज जिले का किसान खाद के लिए भटक रहा है धान की बोनी के बाद खाद नही मिलने से छिड़काव नही हो पा रहा है जिससे किसान परेशान है उसे अपनी फसल खराब होने का डर सता रहा है लेकिन किसान हितैषी होने का राग अलापने वाली भाजपा सरकार इसके लिए संवेदनशील नही है जिले का प्रशासन और शासन इन्वेस्टर्स मीट और स्वागत मे व्यस्त है होर्डिंग पोस्टर लगाए जा रहे हैं किसानों की चिन्ता किसी को नही है सेवा सहकारी समितियों मे खाद नही पहुंच रही है बात करने पर जबाब मिलता है कि रैक नही लगा आखिर रैक कब लगेगा जब फसल खराब हो जाएगी। इस बात को किसान हित में सत्ताधारी नही उठा रहें हैं मजबूर होकर किसान दोगुने दाम पर बाजार से अमानक खाद खरीद रहा है जिसकी गुणवत्ता की कोई गारंटी नही है। बिचौलिए अमानक खाद बेंच कर किसानों को लूट रहे हैं। इसी तरह आवारा मवेशियों की समस्या भी है। कलेक्टर मऊगंज का एक आदेश था जिसे पूर्व कलेक्टर ने जारी किया था कि जिसके भी आवारा मवेशी चिन्हित होंगे और वह खुले में पाए जाएंगे उस पर ग्राम पंचायत जुर्माना सहित वैधानिक कार्यवाही करेगी यह सभी आदेश रद्दी की टोकरी में चले गए हैं। इसका कोई क्रियान्वयन नही हुआ और न ही आगे होगा आखिर किसान कहां जाए किससे फरियाद करे किसान की याद केवल चुनाव के समय क्यो आती है सरकार को, इस विज्ञप्ति के माध्यम से जिला प्रशासन रीवा और मऊगंज से अपील है कि संवेदनशीलता दिखाते हुए किसानो को शीघ्र खाद उपलब्ध कराए साथ ही साथ आवारा मवेशियों को लेकर उचित वैधानिक कार्यवाही हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करे। श्री सिंह ने कहा कि अगर ग्राम पंचायत को इसमें सख्त कर दिया जाए तो कुछ हद तक समस्या का निराकरण हो सकता है बशर्ते इसका पालन कड़ाई से हो, क्योकि अधिकतर आवारा मवेशी उनके होते है जो किसानी नही करते जो किसान है खेती करता है भूमि स्वामी है वह मवेशी कभी नही छोड़ता।

14 वर्षीय पलक कागजों में बिखेर रही आकर्षक कलाकृतियां

रीवा, नगर संवाददाता।

जहां एक तरफ आजकल बच्चे मोबाइल में और गेम में व्यस्त रहते हैं तो वहीं दूसरी तरफ कुछ बच्चे मोबाइल का सही उपयोग भी कर रहे हैं। रीवा के रमकुई में रहने वाली 14 साल की लड़की पलक तिवारी ने कुछ ऐसा ही किया है दरअसल पलक कागज की ऐसी कलाकृति बनाती है जिसे आप देखकर हैरान रह जाएंगे यह एक ऐसी कला मानी जाती है जिसमें कागज को एक विशिष्ट आकार में काटा जाता है और इसका उपयोग जटिल पैटर्न और कलाकृतियां बनाने में होता है इस कला में कागज की पत्तियों को रोल करके और कागजों को काटकर आकृति बनाकर बेहतरीन सजावटी वस्तुएं बनाई जाती है। पलक कागज पेपर की बेहतरीन कलाकृति में समाज की विकृतियां को लेकर भी बेहतरीन संदेश दिया है, पलक ने अपनी कलाकृति में देश के प्रधानमंत्री के बेहतरीन कामों और हाल ही में हुए भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध के दौरान भारतीय सेना द्वारा चलाए गए सिंदूर ऑपरेशन को भी अपनी कागज की कलाकृति के माध्यम से दर्शाया है 14 साल की पलक कक्षा 9वी में पढ़ाई करती है पलक के पिता राजा तिवारी एक किसान है।

पलक का कहना है कि उसे शुरू से ही कागज के डिजाइन बनाने का बहुत शौक था इसके लिए उसने सोशल मीडिया का भी सहारा लिया और अब तक उसने 100 से ज्यादा बेहतरीन डिजाइन कागज की बनाई है साथ ही घर के सुंदर सजावटी सामान भी बनती है, कागज की खूबसूरत कलाकृतियों को देखकर हर कोई देखा ही रह जाता है।

संपादकीय

विपक्षी मोर्चा में गुम चर्चा

सरकार ने यह कहकर विपक्ष का एक महत्वपूर्ण मुद्दा छीन लिया है कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण पर संसद में कोई बहस नहीं होगी, यह भारत सरकार का नहीं, चुनाव आयोग का मामला है, चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था है, लिहाजा संसद उसके कार्यों और फैसलों पर हस्तक्षेप नहीं कर सकती। सरकार संसद में यह गलत परंपरा शुरू नहीं होने देगी। लेकिन, क्या मोदी सरकार के इस निर्णय से विपक्ष शांत होकर बैठ जाएगा और संसद की कार्यवाही चलने देगा? यह स्थिति इतनी आसान नहीं है।

चुनाव आयोग ने घोषणा कर यह स्पष्ट कर दिया है कि एसआईआर बिहार तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम राज्यों में भी किया जाएगा। इन राज्यों में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। सिर्फ असम में भाजपा सरकार है। शेष राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं। वे अभी से चौकन्नी हो गई हैं और एसआईआर को एक राष्ट्रीय मुद्दा बना देना चाहती हैं, लिहाजा संसद में बहस की पक्षधर हैं, लेकिन सरकार इस मुद्दे को यहीं दबा देना चाहती है। उसका तर्क है कि संवैधानिक संस्थाओं को संसद में नहीं खींचा जा सकता। यदि ऐसी परंपरा शुरू की जाती है, तो वह संविधान की बुनियादी भावना के खिलाफ होगा, लेकिन विपक्ष आमादा है। उसकी पहली मांग थी कि पहलगाम नरसंहार, ऑपरेशन सिंदूर, संघर्ष विराम और अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप का 25 बार यह दावा करना कि भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध उन्होंने रुकवाया, विपक्ष इन मुद्दों पर प्रधानमंत्री मोदी का जवाब चाहता है। इस पर बहस सोमवार और मंगलवार को होगी और दोनों सदनों में 16-16 घंटे का वक्त तय किया गया है। दूसरा अहम मुद्दा एसआईआर का है। बहरहाल संसद के मानसून सत्र के शुरुआती दिन विपक्ष के हंगामे और नारेबाजी के कारण धुल चुके हैं।

गौरतलब है कि संसद की एक मिनट की कार्यवाही पर 2.5 लाख रुपए खर्च होते हैं। यानी एक घंटे का खर्च 1.5 करोड़ रुपए। यदि सदन की कार्यवाही औसतन 8 घंटे चलती है, तो 12 करोड़ रुपए खर्च होंगे। देश में करीब 80 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिनकी सालाना आय 2.5 लाख रुपए भी नहीं है। करीब 60 फीसदी भारतीय ऐसे हैं, जो 2.5 लाख रुपए सालाना कमाने में भी अक्षम हैं। विपक्षी हंगामे के बीच लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला को यहां तक टिप्पणी करनी पड़ी कि आप संसद में सड़क का व्यवहार न करें, देश आपको देख रहा है, आप निर्वाचित सांसद हैं। सदन में ही कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान हाथ जोड़कर गुहार लगाते हैं और विपक्ष से याचना करते हैं कि वे किसानों की समस्याओं पर बात होने दें। वे भी किसानों से जुड़े मुद्दे उठाएं, लेकिन विपक्षी सांसदों ने 'वेल' में जाकर काले कपड़े लहराए। क्या संसद का सबसे पवित्र और गरिमामय मंच ऐसी ही सियासत के लिए बना है? एसआईआर पर तो अब संसद में बहस नहीं होगी, लेकिन दूसरी तरफ बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने 'चुनाव बहिष्कार' की धमकी दी है। यह स्थिति तब है, जब यह मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है और उसका फैसला अभी आना है। लिहाजा अब समय आ गया है कि सांसदों को लेकर संसदीय व्यवस्था बदली जानी चाहिए।

5 हजार सरकारी स्कूल बंद कर विश्व गुरु बनेगा भारत ?

संयुक्त राष्ट्र द्वारा कोविड-19 के बाद की शिक्षा की स्थिति का आकलन करने के लिए वैश्विक शिक्षा से संबंधित एक विशेष बैठक आयोजित करने के बाद जारी एक बयान के अनुसार, कोविड महामारी ने पिछले 20 वर्षों में पूरी दुनिया में शिक्षा के क्षेत्र में हासिल की गई उपलब्धियों को मिटा दिया है।

भारत भूषण अड़जरिया

उत्तर प्रदेश में 5000 सरकारी स्कूलों को बंद करने के खिलाफ हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। याचिका में कहा गया कि सरकार के इस कदम से राज्य में तीन लाख पचास हजार से ज्यादा छात्रों को निजी स्कूलों में दाखिला लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास की नींव होती है। एक मजबूत शिक्षा प्रणाली एक कुशल कार्यबल, नवाचार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है। चूँकि इस देश में प्राथमिक शिक्षा को राजनीतिक एजेंडे में कोई प्राथमिकता नहीं दी जाती, इसलिए दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला यह देश अभी भी निरक्षरता और खराब शिक्षा से जूझ रहा है। हाल ही में प्रकाशित आठवीं इंडिया स्किल रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे देश में, जहाँ धर्म और धार्मिक पहचान जनता और सरकार दोनों के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं, 50 प्रतिशत से ज़्यादा स्नातकों का रोज़गार के योग्य न होना कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

इस साल फरवरी में केंद्र सरकार ने बताया था कि पिछले 10 साल में यूनेस्को में 89 हजार सरकारी स्कूल बंद हो गए हैं। इनमें से अधिकांश 25 हज़ार स्कूल अकेले उत्तर प्रदेश से थे। 5 हजार स्कूल और बंद हमारे दिल पर मोर लोड ना आए इसलिए योगी सरकार ने स्कूल बंद करने की इस स्कॉच को नाम दिया है पेअरिंग स्कॉच। वर्ष 2015-16 में उत्तर प्रदेश में करीब 1 लाख 62 हजार प्राथमिक विद्यालय थे। जो साल 2021-22 में 1 लाख 40 हजार ही रह गए। यानी 2015-16 के मुकाबले में ये संख्या कम हो गई। सरकार का तर्क है कि जिन स्कूलों में बच्चों की संख्या 50 से कम है, उन्हें बंद कर देना ही बेहतर है। लेकिन सवाल ये है कि आखिर ये स्कॉटिश बच्चे क्यों नहीं हैं? क्या बच्चों की संख्या आपके-आप कम हो गई, या इसके पीछे सरकार की नीतियां जिम्मेदार हैं? ईटीवी-भारत न्यूज़ वेबसाइट के अनुसार यू-डीआईएसई पोर्टल के आधार पर जो आंकड़े सामने आए हैं, वो देखने वाले हैं। आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में करीब 30,000 प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय ऐसे हैं, जो जर्जर स्थिति में हैं। जहां 742 स्कूल पूरी तरह से खराब खंडहर हैं। इसके बाद 690-690 में जंगल और जंगल में 674, ग़रीब में 643, 641 में ग़रीब में और 633 में बलिया में कब्ज़ा की स्थिति बेहद खस्ता है। इन स्कूलों में बच्चों के लिए न तो अधूरा निर्माण है, न शौचालय, न पीने का पानी और न ही चारदीवारी। कभी मिड-डे मील का सामान नहीं आता, तो कभी छत टपकती है। स्थानीय बिजली नहीं। कभी-कभी स्कूल में ही जूते डूब जाते हैं। तो ऐसे रसोई में किसी ने भी अपने बच्चों को क्यों भेजेगा? जब स्कूल में टीचर ही नहीं होंगे तो पढ़ाई कैसे होगी? जिन शिक्षकों में शिक्षक तैनात हैं, वहां उनकी ड्यूटी चुनाव, सर्वेक्षण, योजना या धार्मिक आयोजनों में लगाई जाती है। स्कूल सिर्फ रिकॉर्ड में है। क्लासरूम बंद होता है, परिसर सूना रहता है। फिर जब बच्चों की पढ़ाई नहीं होती, तो परिवार वाले अपने बच्चों को या तो प्राइवेट स्कूलों में दाल देते हैं या फिर पढ़ाई ही छुड़वा देते हैं। यानी धीरे-धीरे सरकारी स्कूल के बच्चे आना ही बंद कर देते हैं। फिर एक दिन शासन की रिपोर्ट आती है छात्र संख्या कम है, स्कूल बंद कर दिया जाएगा।

बाकी जो स्कूल चल रहे हैं उनमें भी बार-बार सुरक्षा के नाम पर छुट्टियाँ घोषित कर दी जाती है। उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा अब बस एक धार्मिक परंपरा नहीं रही, ये एक सरकारी आयोजन संस्था बन चुकी है। हर साल जैसे ही सावन आता है, प्रदेश का पूरा सरकारी तंत्र एक ही दिशा में दौड़ता है- तीर्थयात्रियों की सेवा। स्वास्थ्य विभाग से लेकर जिला प्रशासन तक, स्वास्थ्य विभाग से लेकर नगर निगम तक, हर विभाग को आदेश दिया जाता है कि कांवड़ियों की सुविधा में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। जगह-जगह कैंप, मेडिकल कैंप, मोबाइल स्टेडियम, मिस्ट फैन, नमक-पानी तक डाला जाता है। और ये सब फंडिंग आती है सरकारी खज़ाने से।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा कोविड-19 के बाद की शिक्षा की स्थिति का आकलन करने के लिए वैश्विक शिक्षा से संबंधित एक विशेष बैठक आयोजित करने के बाद जारी एक बयान के अनुसार, कोविड महामारी ने पिछले 20 वर्षों में पूरी दुनिया में शिक्षा के क्षेत्र में हासिल की गई उपलब्धियों को मिटा दिया है। दुनिया भर में 10 करोड़ से अधिक अतिरिक्त बच्चे पढ़ने-लिखने के न्यूनतम स्तर से वंचित हो गए हैं। रिपोर्ट इस तथ्य को भी सामने लाती है कि इस वैश्विक स्थिति की पृष्ठभूमि में, यह समझना मुश्किल नहीं है कि कोविड के समय में भारत में कितने कम छात्र इंटरनेट के माध्यम से पढ़ाई कर पाए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, देश के ग्रामीण इलाकों में केवल 18 प्रतिशत के पास इंटरनेट की सुविधा थी, लेकिन उनमें से कितने वास्तव में इसका उपयोग कर पाए, यह भी संदिग्ध है क्योंकि डेटा पैक खरीदने के लिए पैसे, मोबाइल चार्ज करने के लिए बिजली आदि जैसे कई सवाल इससे जुड़े हैं। रिपोर्ट बताती है कि 42 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों में इंटरनेट की सुविधा है, लेकिन शहरी गरीब बस्तियों में रहने वाले कितने छात्र इसका लाभ उठा पाए, यह भी एक सवाल है। इसके अलावा, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि निजी स्कूलों में उच्चतर माध्यमिक स्तर पर 62 प्रतिशत से ज़्यादा शिक्षक पूरी तरह योग्य नहीं हैं। ऐसे में, अगर शिक्षक अपनी पूरी क्षमता से काम करने की कोशिश भी करें, तो वे इसमें कितने सफल होंगे, यह तो आने वाला समय ही बताएगा। रिपोर्ट में अंत में दस सुझाव भी दिए गए हैं जिनके ज़रिए देश में सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा सकती है। इनमें सबसे अहम है पूर्वोत्तर और ग्रामीण इलाकों के स्कूलों में शिक्षकों की संख्या बढ़ाना और उनके उचित प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।

कुल मिलाकर, स्कूलों में पर्याप्त संख्या में शिक्षकों की व्यवस्था करना, सरकारी क्षेत्र में ज़्यादा से ज़्यादा स्कूल खोलना ताकि गरीब और ग्रामीण बच्चे फीस आदि के कारण शिक्षा से वंचित न रहें और शिक्षक-छात्र अनुपात को कम करना यानी शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए स्कूलों की संख्या बढ़ाना, सतत विकास लक्ष्य 2030 को प्राप्त करने की दिशा में कुछ अहम कदम हो सकते हैं। हालाँकि, बड़ा सवाल यह है कि क्या हमारे देश की सरकार यह सब करने के लिए तैयार है। दरअसल, सभी संकेत यही बताते हैं कि सत्ताधारियों के बीच सभी स्तरों पर सार्वजनिक शिक्षा को कमज़ोर करने की एक सोची-समझी योजना चल रही है। हमें एक संगठन के रूप में इसे रोकने के लिए कमर कसनी होगी।

मीडियाध्यक्ष
दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ

राजाबाबू के राम, नई पहल, नया विवाद

चैतन्य भट्ट

1994 बैच के आईपीएस अधिकारी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ट्रेनिंग राजा बाबू सिंह ने एक सलाह क्या दी उस पर विवाद शुरू हो गया, यद्यपि राजा बाबू सिंह की ये सलाह कि जिन सिपाहियों की नई भर्ती हो रही है और जिन्हें पुलिस कार्यप्रणाली की ट्रेनिंग दी जा रही है वे सोने के पूर्व रामचरितमानस का पाठ करें यद्यपि ये निर्देश किसी के लिए अनिवार्य नहीं बल्कि स्वैच्छिक हैं लेकिन धर्म निरपेक्षता की दुहाई देने वाले इस निर्देश को विवादास्पद बनाने में जुट गए हैं।

दरअसल यह विवाद उस वक्त शुरू हुआ जब अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ट्रेनिंग राजा बाबू सिंह ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिए सभी पुलिस अधीक्षकों को ये निर्देश दिए कि नई भर्ती होने वाले सिपाहियों को ये बताएं कि यदि वे सोने के पूर्व रामचरितमानस का पाठ करते हैं तो न केवल उनमें नैतिक साहस की बढ़ोतरी होगी बल्कि वे मानसिक रूप से भी मजबूत भी होंगे, इधर ये निर्देश जारी हुआ ही था कि कि इस निर्णय पर सवाल उठने लगे ।. वहीं राजा बाबू सिंह की सोच ये थी कि प्रदेश में जो नई भर्ती सिपाहियों के रूप में हो रही है उन्हें रामचरितमानस में भगवान राम के चौदह वर्ष के वनवास का हिस्सा पढ़ना चाहिए कि घर से दूरी कई बार क्यों जरुरी हो जाती है. और इस सोच के पीछे भर्ती होने वाले सिपाहियों की होमसिकनेस सबसे बड़ा मुद्दा था उनके मुताबिक अनेक सिपाहियों ने इस बात के आवेदन उन्हें दिए थे कि उन्हें घर के पास ही ट्रेनिंग के लिए भेज दिया जाए क्योंकि वे घर से दूर नहीं रहना चाहते। इस मुद्दे पर राजा बाबू सिंह ने इन नए रंगरूटों को यह शिक्षा देने की कोशिश की की कि जिस तरह भगवान श्री राम ने अपने परिवार से दूर जंगल में चौदह वर्ष बिताए, अपनी पत्नी को खो दिया, शबरी के झूठे बेर खाए उसी तर्ज पर इन नए रंगरूटों को अपने घर से दूर रहने की शिक्षा रामचरितमानस के पाठ से मिल सकती है, मर्यादा का पालन करना भगवान राम का सबसे प्रमुख गुण था इसीलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम राम कहा जाता है पुलिस के सिपाहियों की भी एक मर्यादा होती है और यदि वे रामचरितमानस का पठन करेंगे तो उन्हें अपनी मर्यादा का एहसास होगा लेकिन. कांग्रेस ने इस निर्देश को गैर संवैधानिक बता दिया उधर जमीअत ए उलेमा संगठन ने सुझाव दे दिया है कि अगर पुलिस वालों को धार्मिक ग्रंथ पढ़ाना ही है तो, फिर बाकी धर्म ग्रंथ भी इस ट्रेनिंग में शामिल किये जाने चाहिए।

राजा बाबू सिंह के इस निर्देश पर यदि अमल होने लगेगा तो मध्य प्रदेश में पुलिस की नौकरी में भर्ती के लिए आरक्षक अब फिजीकल और मेंटल ट्रेनिंग के साथ प्रतिदिन रामचरितमानस का पाठ भी करेंगे. यह उनकी ट्रेनिंग का ही हिस्सा होगी. इसके पीछे वजह ये बताई गई है कि ट्रेनिंग के दौरान ये पाठ उन्हें परिवार से दूर रहने पर भी आत्मबल देगा. जब भगवान होकर श्रीराम चौदह वर्ष वनों में गुजार सकते हैं, तो ये चंद दिनों की ट्रेनिंग क्या मुश्किल है.। इस संदर्भ में जब राजा बाबू सिंह से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि रामचरितमानस की चौपाइयों के जरिए पुलिस जवान उनके अर्थों को अपने जीवन में उतार सकें, इसलिए पुलिस ट्रेनिंग सेंटर के सभी जवानों के लिए रात में सोने से पहले एक साथ बैठकर चौपाइयों के सामुहिक पाठ के निर्देश दिए गए हैं. इसके लिए सभी पुलिस अधीक्षकों को श्री रामचरितमानस की हर केंद्र पर एक प्रति रखवाने के लिए भी निर्देश दिए गए हैं.उनका कहना था कि पुलिस के जवानों को भगवान श्री राम के चरित्र से इसलिए भी सीखने की सलाह दी है ताकि घर से दूर रहकर भी अपने जीवन को सशक्त सार्थक करें और नए दौर की अपराधों से निपटने के लिए हर विधा में मजबूती से पारंगत हो सके. जिस तरह भगवान श्रीराम ने अपने वनवास काल के दौरान जंगलों में रहने और वानरों की सेना बनकर महायोद्धा रावण से युद्ध कर उसे परास्त किया था उसी तर्ज पर ये सिपाही अपनी नई भूमिका का निर्वाह करते हुए अपराध रूपी रावण का अंत करने में सफल होंगे। राजाबाबू सिंह ने कहा कि रामानंद सागर के विश्वप्रसिद्ध सीरियल रामायण में भगवान राम का चरित्र निभाने वाले अभिनेता अरुण गोविल ने भी कहा था कि रामचरितमानस केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं एक सोशल गाइड है राजाबाबू सिंह के इस निर्देश और सलाह को कांग्रेस ने बेहद विवादास्पद शुरुआत बताया है. कांग्रेस का कहना है कि क्या संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को इस तरह की असंवैधानिक बात करनी चाहिए. ना हमारी पार्टी को रामचरितमानस पढ़ाए जाने से आपत्ति है और ना किसी व्यक्ति को किसी तरह का एतराज है, लेकिन पुलिस का एक ही धर्म है और वह संविधान का पालन करना है. सवाल ये खड़ा होना चाहिए कि क्यों घर से दूर ट्रेनिंग में पुलिस कर्मियों को दिक्कत हो रही है. जमीअत ए उलेमा के मध्य प्रदेश प्रमुख हाजी हारून ने भी इस निर्णय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि हर धर्म में जो अच्छी शिक्षा है. वो पुलिस कर्मियों तक पहुंचनी चाहिए. फिर चाहे वो कुरान की बात हो या बाइबिल की.।दूसरी तरफ हिंदुत्व का मुद्दा लेकर चलने वाली भारतीय जनता पार्टी ने राजाबाबू सिंह की इस पहल का स्वागत किया है। प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि विरोध कर रही कांग्रेस रामचरित मानस का पाठ कर लें. भगवान राम का जीवन कैसे समाज के हर वर्ग के लिए दिशा देता है, ये जान लें. भगवान राम के चरित्र में त्याग, कर्त्तव्यपरायणता, अनुशासन सबका समावेश है उनका जीवन एक प्रकाश स्तंभ की तरह सबको आलोकित करता है.

1994 बैच के आईपीएस अधिकारी राजा बाबू सिंह का भगवान राम और श्रीमद भगवतगीता के प्रति बेहद लगाव रहा है 1992 में उन्होंने अयोध्या में बन रहे राम मंदिर के निर्माण में सहयोग भी दिया था। 94 में आईपीएस बने उसके बाद अनेक जिलों में एसपी डीआईजी रहते हुए उन्होंने कई नवाचार भी किए जबलपुर में भी वे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में पदस्थ रहे वहीं ग्वालियर में आईजी के पद पर रहते हुए उन्होंने गीता की हजारों प्रतियां वितरित की थी। कश्मीर में आईजी बीएसएफ, आइटीबीपी जैसे महत्वपूर्ण विभागों में उन्होंने अपनी सेवाएं दी थी इस मसले पर भले ही विवाद शुरू हुआ हो लेकिन यदि देखा जाए तो जो सिपाही होमसिकनेस से पीड़ित है उनके लिए भगवान राम की यह अमर कथा उन्हें मानसिक रूप से संबल प्रदान कर सकती है।

उतारने का रुझान

संतोष उत्सुक

हमारे निरंतर विकसित होते जा रहे समाज में राजनीतिक, आर्थिक, धार्मिक क्षेत्र में एक दूसरे को उतारने, फंसाने और गिराने का रुझान हमेशा बना रहता है। प्रवृति कब बदल जाए कह नहीं सकते। अलग अलग क्षेत्रों के कर्णधार, विशेषज्ञ और महाज्ञानी पूरा ध्यान रखते हैं कि किसी को गिराने और दूसरे को उठाने का रुझान बरकरार रहे। बाज़ार इस सम्बन्ध में बहुत सहयोग करता है। इस बात के पीछे मंतव्य यह दिया जाता है कि जो गिरेगा वही उठेगा। अर्थशास्त्र यह कहता है कि जो उठता रहेगा, एक दिन गिरेगा। आजकल उतारने की प्रवृति ज़ोरों पर है। कुछ चीज़ें तो समय के साथ स्वयं उतर जाती हैं लेकिन जो चीज़ें नहीं उतारनी चाहिएं उन्हें भी उतारने की प्रवृति बढ़ती जा रही है। मिसाल के तौर पर कपड़े उतारने की दिशा में सक्रियता बढ़ रही है।

व्यंग्य

बरसात के मौसम में यह रुझान अब बाढ़ सा लगने लगा है। प्रसिद्ध महिलाओं में, वस्त्र सम्बंधित सोच, शर्मनाक शैली में धंस रही है। जिसे देखो कपड़े कम पहनने, छोटे पहनने या उतारने पर उतारू है। उतारने के साथ साथ अंतर्राष्ट्रीय फैशन यानी महा नवोन्मेषी शैली में, शरीर पर कपड़े फंसाने का रुझान भी बढ़ता जा रहा है। कम से कम आकार का कपड़ा लेकर, महंगे से महंगा वस्त्र डिजाईन करने का समय है। कपड़ों में नंगे होने का रुझान है। कपड़े उतारकर दूसरों को आकर्षित, प्रभावित और भ्रमित करने की परम्परा व्यवसाय होती जा रही है। यह प्रवृति प्रसिद्ध और धनवान लोगों के जीवन से चलकर, निकलकर आम लोगों के दिमाग पर चढ़ रही है। हम यह विचार इंजेक्शन के रूप में अपने बच्चों के शरीर में भी लगा रहे हैं।

किसी ज़माने में शालीन वस्त्रों को इज्ज़त समझा जाता था अब तो सीधे सीधे इज्ज़त उतारने का ट्रेंड भी पनप रहा है। अपनी भी और दूसरों की भी। सार्वजनिक रूप से या असामाजिक सोशल मीडिया पर ऐसा करना बेहतर माना जाने लगा है। इज्ज़त उतारते समय यह भूल जाने की प्रवृति है कि अमुक उम्र में छोटा है या बड़ा। अपना सम्मान बदरंग करने की प्रवृति प्रसिद्ध व्यक्तियों में बढ़ रही है। यह लोग एक दूसरे की प्रतिष्ठा की दही करना खूब पसंद करते हैं। किसी भी महत्त्वपूर्ण मसले पर रायता फैलाना इन्हें पारिवारिक, सामाजिक, राजनीतिक या धार्मिक कद बढ़ना लगता है। तन चाहा मन चाहा करने वाले लोग फख्र महसूस करते हुए कई बार ऐसी हरकतें भी करते हैं कि मर्यादा खिंचती रबड़ की तरह लम्बे समय तक परेशान होती रहे। राजनेता वायदा कर पांच साल तक अपने वायदों की छील जनता के सामने सरे बाज़ार उतारते रहते हैं। उतारने की प्रवृति कम करने के लिए, लगता है अब कोचिंग सेंटर खोलने पड़ेंगे।

चिकनगुनिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों के फैलाव का संकट

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

विश्व स्वास्थ्य संगठन की माने तो चिकनगुनिया अब विकराल रुप लेता जा रहा है। एक मोटे अनुमान के अनुसार आने वाले समय में पांच अरब लोगों के इसके दायरें में आने की पूरी पूरी संभावना है। हांलाकि चिकनगुनिया से मौत का आंकड़ा प्रभावितों में से केवल एक प्रतिशत है पर जिस तरह से इसके फैलने की संभावनाएं बनती जा रही है निश्चित रुप से मौत का आंकड़ा भी बढ़ेगा और लाख दावों के बावजूद इसके स्वास्थ्य पर दूरगामी गंभीर प्रभाव भी पड़ेगा। चिकनगुनिया की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि उष्णकटिबंधीय अफ्रीका से एशिया को लपेटे में लेने वाली यह बीमारी अब योरोप को भी अपनी जद में करीब करीब ले चुकी है। दरअसल जलवायु परिवर्तन भी इसके फैलाव में सहायक है। तापमान बढ़ोतरी और नमी दोनों के कारण चिकनगुनिया का मच्छर फैलता है। जहां पानी जमा हुआ इसके मच्छर को डेरा जमाने का अवसर मिल जाता है। दुनिया के 119 देशों में चिकनगुनिया अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है। हमारे देश में तो पिछले कुछ वर्षों से चिकनगुनिया लगातार अपनी उपस्थिति दर्ज करा ही रहा है। यदि हमारे देश भारत की बात करें तो गत वर्ष चिकनगुनिया के दो लाख संदिग्ध मामलें सामने आये थे जिनमें से 17 हजार से अधिक मामलों में चिकनगुनिया की पुष्टि हुई थीं। भले ही यह संख्या कम लग रही हो पर जिस तरह से चिकनगुनिया हमारे देश सहित दुनिया के देशों में पांव पसार रहा है यही विश्व स्वास्थ्य संगठन की चिंता का प्रमुख कारण है।

चिकनगुनिया की जहां तक पहचान की बात है तो माना जाता है कि तंजानिया में 1952 में चिकनगुनिया का नामकरण हुआ। दरअसल माकोंडे में पठार में चिकनगुनिया के मरीज की पहचान हुई। चिकनगुनिया में बुखार तो होता ही है पर यह सबसे अधिक प्रभावित जोड़ों को करता है। चिकनगुनिया में जोड़ो में भयंकर दर्द होता है और यह दर्द आसानी से व जल्दी जाता भी नहीं है। मकोंडे भाषा में चिकनगुनिया का मतलब दोहरा कर देना है और चिकनगुनिया के लक्षण दर्द के मारे दोहरा कर देने के कारण इसे चिकनगुनिया कहा जाने लगां। तंजानिया के दो वैज्ञानिकों मैरियन राबिन्सन और ड्ब्लूएचआर लम्सडेन ने 1955 में दो अलग अलग शोधपत्र लिखकर इसके बारें में जानकारी दी। जहां तक भारत की बात है तो 1963 में कोलकता में चिकनगुनिया से पीड़ित मरीज पाया गया। चिकनगुनिया में बुखार तो सामान्यत: दो से 5 दिन रहता हे पर जोड़ों का दर्द लंबे समय तक असर दिखाता है।

चिकनगुनिया मच्छर जनीत बीमारी है और पिछले कुछ सालों खासतौर से जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरुप मच्छर जनीत रोगों अधिक फैलाव हुआ है और पहले बरसात के पानी जमा होने के कारण फैलने वाली यह बीमारी अब गर्मी के मौसम बल्कि यह कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी छट-बारह महीने अपना असर दिखाने लगी है। इस साल हमारे यहां मानसून ने समय से पूर्व प्रवेश किया है और राजस्थान ही नहीं अपितु देश के अधिकांश हिस्सों में अच्छी बरसात हो रही हैं। जिस तरह की हमारी ड्रेनेज व्यवस्था है और जिस तरह से जल भराव के हालात हो रहे हैं उससे चिकनगुनिया का प्रकोप व्यापक रुप से देखने को मिल सकता है। अल्फाविषाणु परिवार के इस सदस्य एडिस के लार्वा के फैलाव को रोकने के लिए फोगिंग की प्रभावी व्यवस्था तो अभी दिखाई नहीं देती। फिर पानी का जमाब, गंदगी और बातावरण की नमी व लगातार बरसात के चलते मच्छरों का प्रकोप बढ़ेगा ही, इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए। दरअसल हम आपदा से निपटने के लिए पहले से तैयार रहते ही नहीं है। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर तो पानी का भराव, किचड़, गंदगी आदि तो है ही इसके साथ ही हमारी प्रवृति के अनुसार हम स्वयं मच्छर जनित बीमारियों को फैलने से रोकने के स्थान पर उसके फैलाव में सहभागी बन जाते हैं। घरों में पानी जमा होना और कबाड़ में पानी भरा रहना, कूलरों में पानी को समय से नहीं बदलना आदि ऐसे कारण है जिससे एडीज एजिटी और एडीज एल्बोपिक्टस को पनपने में पूरा सहयोग मिलता है। विशेषज्ञों के अनुसार सुबह सुबह और दोपहर में यह अधिक सक्रिय रहता है।

दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन की चिंता इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि दुनिया के देशों में अभी गंभीरता आई ही नहीं हैं। बरसात व उसके बाद आवश्यक फोगिंग की व्यवस्था, साफ-सफाई और मच्छर के लार्वा को नष्ट करने की व्यवस्था और इसके साथ आमजन में अवेयरनेस को गंभीरता से लिया ही नहीं जाता। मच्छर जनित बीमारी का फैलाव कब होगा इसके लिए पूर्व तैयारी हमारी होती ही नहीं। जब अस्पतालों में मरीजों की भीड़ होने लगती है तब हमारी जागने की प्रवृति है। नहीं तो अवेयरनेस कार्यक्रम तो पहले से ही चलाया जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की सदस्य डायना रोजास अल्वारेज इसलिए भी चिंतित है कि 2004-05 चिकनगुनिया हिंद महासागर में फैली और उसके बाद द्वीपीय क्षेत्रों में फैलते हुए इस वायरस ने पांच लाख लोगों को अपने जद में ले लिया। यह इसकी गंभीरता को दिखाता है। ऐसे में सरकारों को अभी से प्रिकोसनरी रणनीति बना लेनी चाहिए ताकि इसके असर को कम किया जा सके। लोगों को भी अपने घर से ही सुरक्षा उपायों पर ध्यान देना होगा। खासतौर से पुराने कबाड़, कूलरों व अन्य पानी जमा भले ही नाममात्र का ही जमा नहीं होने दे। इसी तरह से शरीर को ढंकने वाले कपड़े जैसे पूरी बाहों के शर्ट, पेंट आदि पहने और इसके साथ ही मच्छर नाशकों का उपयोग कर मच्छरों के प्रकोप से बचने और मच्छरों को फैलने से रोके। इस तरह के सुरक्षा मानकों की पालना करनी ही होगी। नहीं तो जिस तरह से मानसून के पहले आने और अच्छी बरसात से जो लाभ हो रहा है वह मच्छरों के प्रकोप के फैलने से मच्छर जनित बीमारियों के फैलने का कारण भी बन जाएगा।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस : अल्कोहलिक मरीजों में लगातार हो रही वृद्धि

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

विश्वभर में 28 जुलाई सोमवार को विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य लोगों को हेपेटाइटिस जैसे गंभीर और प्रायः नजर अंदाज किए जाने वाले रोग के प्रति जागरूक करना है।

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. संजय धवले का कहना है कि जयारोग्य चिकित्सालय की हेपेटाइटिस ओपीडी में एल्कोहलिक हेपेटाइटिस के मरीजों की संख्या हाल के वर्षों में तेजी से बढ़ी है। उन्होंने बताया कि अधिकांश मरीज पिछले 10 वर्षों से प्रतिदिन 60 एमएल या उससे अधिक मात्रा में शराब का सेवन कर रहे हैं। लगातार शराब पीने से उनकी लिवर की स्थिति खराब हो रही है। यह बीमारी शुरुआत में सामान्य लगती है, लेकिन धीरे-धीरे लिवर फेलियर की स्थिति तक पहुंचा सकती है।उन्होंने बताया कि जिन मरीजों में छह महीने से अधिक समय तक पीलिया या लिवर की सूजन बनी रहती है, उनमें सिरोसिस (लिवर सिकुड़ना) की संभावना काफी बढ़ जाती है। यह लिवर के स्थायी नुकसान की ओर संकेत है और समय पर इलाज न होने पर जानलेवा साबित हो सकता है।

लंबे समय तक शराब का सेवन करने वालों में तेजी से बढ़ रहा खतरा

जागरूकता है बचाव

डॉ. धवले ने कहा कि हेपेटाइटिस बी और सी वायरस जनित रोग हैं, लेकिन अत्यधिक शराब से होने वाला एल्कोहलिक हेपेटाइटिस भी उतना ही खतरनाक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे शराब की लत से बाहर निकलें और लिवर से संबंधित किसी भी समस्या पर तुरंत जांच कराएं।

क्या है हेपेटाइटिस?

हेपेटाइटिस लिवर में होने वाली सूजन है, जो वायरस, शराब के सेवन, विषाक्त पदार्थों या कुछ दवाओं सहित विभिन्न कारकों के कारण हो सकती है। हेपेटाइटिस कई प्रकार के होते हैं, लेकिन सबसे आम वायरल हेपेटाइटिस है, जो एक विशेष वायरस के कारण होता है।

हेपेटाइटिस के लक्षण

- थकान और कमजोरी
- त्वचा और आंखों का पीला पड़ना
- पेट में दर्द और बेचैनी
- मतली और उल्टी
- भूख की कमी
- गहरे रंग का यूरिन
- हल्के रंग का मल
- जोड़ों का दर्द
- बुखार

हेपेटाइटिस के कारण

▸▸ वायरल इन्फेक्शन्स : हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई विशेष प्रकार के वायरस के कारण होते हैं, जो लिवर को प्रभावित करते हैं।

▸▸ शराब और नशीली दवाएं : अत्यधिक शराब के सेवन और कुछ दवाओं से अल्कोहलिक हेपेटाइटिस या ड्रग इन्ड्यूस्ड हेपेटाइटिस हो सकता है।

▸▸ विषाक्त पदार्थों : कुछ रसायनों, विषाक्त पदार्थों या प्रदूषकों के संपर्क में आने से हेपेटाइटिस हो सकता है।

▸▸ ऑटोइम्यून डिजीज : कुछ मामलों में, शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से लिवर पर हमला कर करने लगती है, जिससे ऑटोइम्यून हेपेटाइटिस हो सकता है।

▸▸ मेटाबॉलिक डिजीज : लिवर में पदार्थों के निर्माण के कारण दुर्लभ मेटाबॉलिज्म संबंधी विकार हेपेटाइटिस का कारण बन सकते हैं।

गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन का ओरियेंटेशन कार्यक्रम आयोजित

ग्वालियर। गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन ने 2025-26 के नवीन सदस्यों के लिए ओरियेंटेशन कार्यक्रम का आयोजन ग्रैब स्पेस कोवर्किंग में किया गया। गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन के आकाश ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए संस्था की युवा-सशक्तिकरण की यात्रा और आने वाले अभियानों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान मूल्य-आधारित नेतृत्व, सामाजिक जिम्मेदारियों, इवेंट मैनेजमेंट स्किल्स और टीम बिल्डिंग जैसे विषयों पर संवाद-सत्र आयोजित किया गया । पूर्व सदस्यों ने अपने अनुभवों को साझा किया। इस अवसर संस्था के संयोजक आकाश त्रिपाठी, जयेश श्रीवास्तव, दीपक माहौर, निकिता राजपूत, यश कुशवाह,रोहन शर्मा, आकांक्षा भदौरिया,देव्यानी तोमर, इशिका सिरोथिया,राज गुप्ता आदि सदस्य मौजूद रहे।

जिझौतिया ब्राह्मण समाज की बैठक आयोजित

ग्वालियर। जिझौतिया ब्राह्मण समाज ग्वालियर की बृहद बैठक रविवार को सत्कार गेस्ट हाउस में सम्पन्न हुई ।बैठक में समाज के विभिन्न कार्यक्रमों जिनमें सम्मान समारोह वर्षाऋतु मिलन समारोह आयोजन पौधरोपण एवं दहेज जैसी कुरीतियों को दूर करने के लिये समाज की एकजुटता पर चर्चा हुई। साथ ही समाज के ब्रहलीन सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक में मुख्य संरक्षक केडी सोनकिया अध्यक्ष केपी अरजरिया, महामंत्री पंकज सोनकिया, कार्यकारी अध्यक्ष राजीव पस्तोर, कोषाध्यक्ष अटल बाजपेयी पीताम्बर रावत उपस्थित रहे।

सावन 'तीज' पर बही काव्य की रसधार

ग्वालियर। सावन तीज के मौके पर रविवार को नया बाजार स्थित 'श्री गहोई वैश्य समाज' द्वारा श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में काव्य पाठ आयोजन किया गया। कवि घनश्याम सेठ ने अपनी काव्य रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्राचीन भारतीय संस्कृति की वर्तमान में प्रासंगिकता के महत्व को अपनी रचनाओं में पिरोकर श्री सेठ ने काव्य रचनाएं पढ़ीं। कार्यक्रम में 'श्री गहोई वैश्य समाज' के अध्यक्ष दिलीप तपा, कोषाध्यक्ष राजेंद्र नीखरा, पूर्व अध्यक्ष रामकिशोर कट्ठल, महेंद्र दीक्षित, जितेंद्र बघेल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

डीआरएम सिन्हा का तबादला

ग्वालियर। उत्तर मध्य रेलवे के झांसी रेल मंडल के डिविजनल रेलवे मैनेजर दीपक कुमार सिन्हा का स्थानांतरण हो गया है। रेलवे बोर्ड की ओर से पत्र जारी कर इसकी जानकारी दी गई है। वहीं, मंडल के नए डीआरएम को लेकर भी बोर्ड ने पत्र जारी किया है। नए डीआरएम के रूप में अनिरुद्ध कुमार झांसी मंडल का पदभार संभालेंगे।

भैंस चोरी करने वाले दबोचे

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

पुरानी थाना क्षेत्र से तीन भैंसें और दो पड़िया चोरी करने वाले चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए चोरों से मवेशियों के बारे में पूछताछ शुरु कर दी है।

पुरानी छावनी थाना प्रभारी संतोष यादव ने बताया कि ग्राम थर निवासी गब्बरसिंह गुर्जर के घर के पास से 21-22 जुलाई की दरमियानी रात को चोर तीन भैंसे और दो पड़ियां चोरी करके ले गए थे। पुलिस घटना के बाद से ही चोरों की तलाश कर रही थी। रविवार को पुलिस ने दोनों चोरों को पकड़ लिया। पकड़े गए देवा पुत्र भगवानसिंह बघेल 25 वर्ष निवासी तिघरा और मुकेश पुत्र काशीराम बघेल 25 वर्ष निवासी कृष्णा पहाड़िया हैं। पुलिस को चोरों ने पूछताछ में बताया कि वह लोडिंग पिकअप वाहन लेकर मवेशियों को चोरी करने के लिए आए थे। पुलिस ने उक्त वाहन को जब्त कर लिया है और मवेशियों के बारे में पता लगाया जा रहा है।

बेटी के घर जा रहा हत्या का आरोपी पकड़ा

पड़ाव थाना क्षेत्र में सरपंच की हत्या का इनामी आरोपी को पुलिस ने उस समय पकड़ लिया जब वह अपनी बेटी से मिलने उसके घर जा रहा था। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी को पकड़कर पूछताछ करने के बाद जेल भेज दिया। एएसपी कृष्ण लालचंदानी ने बताया कि आरोन बन्हेरी के सरपंच विक्रम रावत की हत्या में फरार पांच हजार के इनामी के गुढ़ा में अपनी बेटी के घर आने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर संदिग्ध ने भागने का प्रयास किया तो पुलिस ने पीछा कर पकड़ लिया। पकड़े गए सरोज पुत्र प्रीतम यादव 65 वर्ष निवासी बन्हेरी आरोन के रूप में हुई। बता दें पुलिस विक्रम की हत्या के अन्य आरोपियों को पहले ही पकड़ चुकी है।

लायंस क्लब सेंट्रल और गैलेक्सी ने किया पौधरोपण

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

रिमझिम फुहारों के बीच रविवार को सुबह लायंस क्लब सेंट्रल ने जीवाजी क्लब परिसर में 51 पौधों का रोपण किया। वहीं लायंस क्लब गैलेक्सी ने भी चित्रकूटधाम कैंसर पहाड़ी पर पौधे रोपे।

जीवाजी क्लब में मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त निरंजन शर्मा थे। सेंट्रल के प्रेसिडेंट संजय नीखरा ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए जा कार्यक्रम की जानकारी दी।इस अवसर पर सचिव दुर्गेश चौरसिया, ट्रेजरर धनवंत अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक मानस कृपलानी, चेतन खंडूजा, अजय सप्रा, विजय चांडक, सुनील शर्मा, सतीश भल्ला, अजय बत्रा, गिरीश गाबरा, लायन राजेश वाटवानी, रोशन गाबरा आदि मौजूद रहे। उधर लायंस क्लब ग्वालियर गैलेक्सी द्वारा आओ मिलकर प्रकृति बचाएं, एक पेड़ लगाकर श्वांस बढ़ाएं, आओ मिलकर प्रकृति बचाएं, हीट वेव से ग्रीन वेव में जाएं। थीम पर चित्रकूट धाम कैंसर पहाड़ी पर वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में 51 पौधे लगाकर योगदान दिया। अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष संदीप टावरी द्वारा की गई। आभार सचिव महेश गोयल ने व्यक्त किया गया।इस अवसर पर हेमंत अग्रवाल, विनोद गोयल, अभिषेक त्रिपाठी, गौरव बंसल इत्यादि उपस्थित रहे।

रौरा में निकाली हरियाली यात्रा

ग्वालियर। नवांकुर संस्था सर्वे भवन्तु सुखिनः समिति द्वारा रविवार को मुरार क्षेत्र के रौरा ग्राम पंचायत में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा निकाली गई। इस दौरान महिलाओं को एक-एक पौधा एवं बीज वितरित किए गए। तत्पश्चात मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक किया गया। इस अवसर पर प्रस्फुटन समिति रौरा के संजय गुर्जर, उषा देवी, सरिता, खुशबू , रिंकी, नीतू, दीपक रावत, रामनिवास, भानू, भोला आदि उपस्थित रहे।

शासकीय अधिवक्ता के साथ मारपीट कर चेन छीनीं

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

दूध की बाल्टी लौटाने जा रहे अतिरिक्त लोक अभियोजक के साथ आधा दर्जन से ज्यादा लोगों ने मारपीट कर दी। गाड़ी हटाने के विवाद पर हमलावरों ने अधिवक्ता पर हमला कर दिया और उनके गले से सोने की चेन छीन ली। हमलावरों से किसी तरह जान बचाकर वह मौके से निकले और थाने पहुंचे। पुलिस ने मारपीट करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

जनकगंज थाना क्षेत्र स्थित जागृति नगर वृद्ध आश्रम के पास रहने वाले सचिन पुत्र सुरेन्द्र अग्रवाल 44 वर्ष अतिरिक्त लोक अभियोजक हैं। रविवार सुबह साढ़े नौ बजे के करीब वह राजू पाल की डेयरी से बाल्टी में दूध लेकर आए थे। वह राजू को बाल्टी वापस करने जा रहे थे तभी राजू शिंदे की गोठ छत्री बाजार में लघुशंका करता मिल गया। वह राजू का इंतजार करने लगे तभी वहां पर राजू पवार आया और गाड़ी हटाने की कहने लगा। सचिन ने कहा कि एक मिनट में बाल्टी वापस कर जा रहा हूँ। यह सुनते ही राजू पवार सचिन अग्रवाल को गाली देने लगा जब मना किया तो उसने अधिवक्ता के चांटा मार दिया। रोकने पर राजू के साथी मनोज शिंदे, अंकित शिंदे, पप्पी शिंदे और अन्य लोग आ गए और जबरदस्ती पकड़कर अपने घर ले गए। सभी लोगों ने एक राय होकर मारपीट की। हमलावरों से किसी तरह वह जान बचाकर मौके से भागे। भागनें के दौरान हमलावरों ने उनके गले से चेन छीन ली। मारपीट का शिकार अधिवक्ता थाने पहुंचे और पुलिस को आपबीती सुनाई। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर मारपीट करने वालों के खिलाफ धारा 296, 115(2) 304(2)351 (3)3(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

यज्ञोपदेश व भजनोपदेश के साथ हुआ सत्संग समारोह

आर्य समाज मुरार बनाएगा नई यज्ञशाला

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

आर्य समाज मुरार की ओर से रविवार को यज्ञोपदेश एवं भजनोपदेश के साथ सत्संग समारोह का आयोजन किया गया। सबसे पहले प्रधान रामप्रकाश वर्मा, सचिव सुरेंद्र राणा ने सामूहिक स्वस्तिवाचन मंत्र पाठ, सन्धा एवं यज्ञ में सहभाग लिया और अपनी आहुतियां डालीं। पुरोहित सत्येंद्र शास्त्री ने यज्ञ कराते हुए कहा कि यज्ञ से सभी को मानसिक शान्ति मिलती है, और शारीरिक रोग दूर होते हैं। आगरा से आए सत्यदेव गुप्ता ने बताया कि यज्ञ से सब कुछ मिलता है। आर्य समाज यज्ञ को तीर्थ जैसा मानता है। इसलिए घर-घर में यज्ञ होना चाहिए। मंत्री सुरेन्द्र राणा ने कहा कि आर्य समाज मंदिर नई यज्ञ शाला बनायेगा। जिसमें चारों वेदों के मंत्र पाठ से यज्ञ होगा। नवकान्त शर्मा ने बताया कि पाखण्ड, अन्धविश्वास से बचना है तो सत्यार्थ प्रकाश जरूर पढ़े। रामप्रकाश कुशवाह ने भजन-कीर्तन किए। शान्ति, पाठ जय घोष से कार्यक्रम का समापन हुआ। संचालन सुरेन्द्र राणा ने तथा आभार प्रधान रामप्रकाश वर्मा ने व्यक्त किया।

'हर युग में भगवान की भक्ति आवश्यक है'

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

तुलसी मानस प्रतिष्ठान ग्वालियर द्वारा आयोजित संत शिरोमणि गोस्वामी श्री तुलसीदास जयंती के अवसर पर आयोजित पंच दिवसीय श्रीराम कथा की आध्यात्मिक व्याख्या का शुभारंभ मानस मर्मज्ञ रामकृपाल खरे द्वारा दीप प्रज्वलन एवं गोस्वामी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। श्रीराम कथा प्रारंभ करते हुए मानस मर्मज्ञ रामकृपाल खरे ने कहा कि श्री रामचरितमानस सभी के लिए सुलभ ग्रंथ है अनेक समस्याओं का समाधान इस महाकाव्य में है। इसकी प्रत्येक चौपाई मंत्र है। जिन्ह हरि कथा सुनी नहीं काना।

श्रवण रंध अहि भवन समाना ।। जिन्होंने भगवान की कथा अपने कानों से नहीं सुनी , उनके कान सांप के बिल के समान है। इसलिए कहा गया है कि हर युग में भगवान की भक्ति आवश्यक है। इस अवसर पर कमलेश गुप्ता,डॉ सुखदेव माखीजा, प्रेम पचौरी बृजेंद्र कुमार शर्मा, अशोक शर्मा, रामविलास गोस्वामी, दिलीप नायक आदि आदि मौजूद थे। श्री राम कथा 31 जुलाई तक मानस भवन फूलबाग पर सांयकाल 6 से 7.30 बजे तक आयोजित की जाएगी।

यदुवंशी क्षत्रिय समाज की नई समिति ने ली शपथ

ग्वालियर। यदुवंशी क्षत्रिय समाज की नवनियुक्त समिति का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को सत्कार गेस्ट हाउस, सिटी सेंटर पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नवीन यदुवंशी, राष्ट्रीय महामंत्री, यदुवंशी समाज द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारियों को विधिवत शपथ दिलाई गई। समिति में अध्यक्ष विनोद यादव, उपाध्यक्ष दीपक यादव, श्रीमती कमला यादव सचिव, धर्मजीत यादव कोषाध्यक्ष, गौरव यादव संयुक्त सचिव, होतम सिंह यादव कनिष्ठ संयुक्त सचिव, यशवंत यादव, राकेश यादव, पवन कुमार यादव सदस्य बनाए गए हैं। इस अवसर यदुवंशी क्षत्रिय समाज ,ग्वालियर के होतम सिंह यादव, राजस्व अधिकारी,धर्मपाल यदुवंशी, राजेंद्र धमनियां, भगत सिंह यदुवंशी, नंदकिशोर यादव आदि उपस्थित रहे।

हरियाली तीज पर मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

ग्वालियर। हरियाली तीज का पावन उत्सव शहरभर में विभिन्न महिला संगठनों द्वारा उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बिरला नगर स्थित हर्षित टेक्सटाइल्स महिला मंडल द्वारा मेंहदी प्रतियोगिता सहित विभिन्न आयोजन किए गए। हरे रंग के परिधान और श्रृंगार से सजी महिलाओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में सहभागिता करके उत्साह के साथ हरियाली तीज पर्व मनाया।

सिटी सेंटर के पास स्थित कर्मचारी आवास कॉलोनी में श्रावण तीज के पावन अवसर पर हरे परिधानों में सजी महिलाएं, लोक संस्कृति और उत्सव की छटा बिखेरती हुईं।

चुनाव संस्कार भारती ग्वालियर महानगर की कार्यकारिणी गठित

संजय धवले अध्यक्ष, चंद्रप्रताप सिकरवार महामंत्री बने

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

संस्कार भारती ग्वालियर महानगर की वार्षिक साधारण सभा की बैठक रविवार को भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान (आईआईटीटीएम) में आयोजित की गई। संगठन के प्रांत महामंत्री मोतीलाल कुशवाह की विशेष उपस्थिति में आयोजित बैठक में संस्कार भारती ग्वालियर महानगर की कार्यकारिणी की घोषणा निर्वाचन अधिकारी दिनेश चंद्र दुबे ने की।

कार्यकारिणी में संभाग प्रमुख शेखर दीक्षित, संरक्षक नरेंद्र कुंटे, प्रो. आलोक शर्मा, अध्यक्ष डॉ. संजय धवले, उपाध्यक्ष अनूप मोघे, अभिजीत सुखदाणे, दिनेश पाठक, डॉ. मानव महंत, रश्मि गुप्ता, महामंत्री चंद्रप्रताप सिकरवार, सह महामंत्री मनीष दीक्षित, कोषाध्यक्ष आशुतोष वाजपेयी, मंत्री अंशुमन श्रीवास्तव, बृजकिशोर दीक्षित, अनामिका अग्रवाल, शिखा सोनी, नीतू अग्रवाल, प्रचार प्रमुख के रूप में कुलदीप पाठक चुने गए। मार्गदर्शक मंडल में भगवानदास माणिक, अशोक आनंद, किरणलता भदौरिया, उमाशंकर कुलश्रेष्ठ, दिनेश दुबे, मंचीय कला संयोजक डॉ.विकास विपट, दृश्य कला संयोजक डॉ. ओपी माहौर, साहित्य विभाग संयोजक सुनीति बैस, कला धरोहर संयोजक रूबी गुप्ता, नव संवत्सर संयोजक उमाशंकर कुलश्रेष्ठ, नटराज पूजन महोत्सव संयोजक डॉ. मानव महंत, शरद पूर्णिमा महोत्सव संयोजक नारायण पिरोनिया, दीपावली आनंद मेला संयोजक अशोक आनंद, भरत मुनि स्मृति दिवस संयोजक डॉ. हिमांशु द्विवेदी, कृष्ण रूप सज्जा संयोजक के रूप में अनामिका अग्रवाल को चुना गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मोहन बैस, आशीष अग्रवाल, डॉ. हिमांशु द्विवेदी, डॉ. रूपाली गोखले, उमेश गोंजे, नारायण पिरोनिया निर्वाचित हुए।

युवाओं को दिशा दे रही संस्कार भारती: कुशवाह

संस्कार भारती की साधारण सभा को संबोधित करते हुए प्रांत महामंत्री मोतीलाल कुशवाह ने कहा कि सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव से युवा पीढ़ी दिशा से भटक रही है। संस्कार भारती ने इस चुनौती को स्वीकार किया और युवाओं सहित सभी वर्गों में दिशा देने का कार्य लगातार कर रही है। राष्ट्र को प्रथम रखते हुए युवाओं को दिशा देने के लिए हमें शिक्षा संस्थानों पर फोकस करना होगा। कार्यक्रम के प्रारंभ में संभाग प्रमुख शेखर दीक्षित ने साधारण सभा के उद्देश्यों के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने पंच परिवर्तन की दृष्टि से कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक दायित्व एवं स्वबोध विषयों पर मंचीय प्रस्तुति करने की बात कही। महामंत्री चंद्रप्रताप सिकरवार ने पूर्व कार्यकारिणी की वर्ष भर की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। आर्थिक प्रतिवेदन कोषाध्यक्ष आशुतोष वाजपेयी ने प्रस्तुत किया। नए अध्यक्ष डॉ. संजय धवले और महामंत्री चंद्रप्रताप सिकरवार ने कहा कि हमें भारतीय जीवन मूल्यों को बढ़ावा देने के साथ ही सांस्कृतिक प्रदूषण का मुकाबला करना होगा।

जहां चलाई थी गोलियां वहां कराया सीन रीक्रिएशन

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

पुलिस वारदातों को अंजाम देने वाले बदमाशों को न केवल पकड़कर हवालात में पहुंचा रही बल्कि जहां पर वह रंगदारी करते हुए गोलियां चला रहे हैं वहां पर उनको लेकर जा रही है। हजीरा थाना क्षेत्र में चार दिन पहले गोलियां चलाने वाले दो बदमाशों को पकड़कर घटनास्थल पर ले गई और वहां पर सीन रिक्रिएशन किया। दोनों बदमाशों ने भोला सिकरवार हत्याकांड के मास्टरमाइंड बंटी भदौरिया पर हुए हमले के एक गवाह के घर को निशाना बनाकर गोलियां चलाई थीं। बिरलानगर चन्दनपुर में रहने वाले सौरभ यादव को निशाना बनाकर दो बदमाशों ने गोलियां चलाई थीं। सौरभ, बंटी भदौरिया पर हुए हमले में गवाह है। पुलिस को सीसीटीवी से बदमाशों की पहचान अंश राय और अभिषेक शर्मा के रूप में हुई थी।

पुलिस ने दोनों बदमाशों को पकड़ और रविवार को घटनास्थल पर ले गई। पुलिस ने यहां पर घटना का पहले सीन रिक्रिएशन करया और फिर उनको पैदल लेते हुए गई। पुलिस दोनों बदमाशों से घटना के बारे में पूछताछ कर रही है। इस संबंध में हजीरा थाना प्रभारी शिवमंगल सिंह सेंगर का कहना है कि दोनों बदमाशों को सीन रिक्रिएशन के लिए मौके पर ले गए थे और वहां से वापस थाने लाया गया।

'HOLIGUARDS' में दिखाई देंगी दिशा

दिशा पाटनी आज बॉलीवुड की सबसे स्टाइलिश और ग्लैमरस एक्ट्रेस में से एक मानी जाती हैं। वैस्टर्न हो या ट्रैडिशनल, दिशा पाटनी हर लुक में कहर ढाती हैं। उनका फिगर और खासकर उनकी पतली कमर देखकर फैंस दीवाने हो जाते हैं। साड़ी में दिशा पाटनी गजब की खूबसूरत नजर आती हैं। साड़ी-लुक में दिशा की जितनी तारीफ की जाए, उतनी कम है। एक्टिंग के साथ दिशा अपनी फिटनैस, डांस और एक्शन मूव्स के लिए पहचानी जाती हैं। उनके परफैक्ट फिगर के लोग जबरदस्त फैन हैं। फैंस अक्सर उनकी फिटनैस का राज जानने के लिए बेताब रहते हैं। दिशा अपनी बॉडी को परफैक्ट बनाने के लिए बहुत मेहनत करती हैं।

वह जमकर एक्सरसाइज करती हैं। इतना ही नहीं वह हार्डकोर वर्क आउट के साथ जिमनास्टिक भी करती हैं। वह मार्शल आर्ट्स और जिमनास्टिक में भी ट्रेंड हैं। इसके अलावा वह सुबह-शाम कार्डियो जरूर करती हैं। कार्डियो पूरी बॉडी के लिए काफी अच्छा रहता है। इससे बॉडी की स्ट्रेचिंग भी अच्छे से हो जाती है।

दिशा को किक बॉक्सिंग, वेट ट्रेनिंग करना भी बेहद पसंद है। वह वेट ट्रेनिंग में हिप थ्रस्ट, केक वॉक और डेडलिफ्ट भी करती हैं। इनसे बॉडी को जबरदस्त स्ट्रैंथ मिलती है।

आईपीएल 2025 की ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म करके दिशा पाटनी एक बार फिर छा गई। दिशा के लुक और उनकी परफॉर्मैंस की खूब तारीफ हुई। दिशा पाटनी ने तेलुगू फिल्म लोफर (2015) से मनोरंजन जगत में डेब्यू किया और उसके बाद फिल्म एम.एस. धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी (2016) से हिंदी सिने जगत में धमाकेदार एंट्री की। इस फिल्म में वह सुशांत सिंह राजपूत के अपोजिट नजर आई थीं।

इसके बाद दिशा ने बागी 2 (2018), भारत (2019), मलंग (2020), राधे (2021), एक विलेन रिट्र्न्स (2022), योद्धा (2024), जैसी फिल्में कीं। दिशा पाटनी ने प्रभास की तेलुगू फिल्म कल्कि 2898 एडी (2024) में अहम किरदार निभाया और फिल्म अच्छी-खासी हिट भी हुई, लेकिन सूर्या के साथ वाली उनकी फिल्म कंगुवा (2024) नहीं चली। इस वक्त दिशा के पास काफी सारे प्रोजैक्ट्स हैं। दिशा की आने वाली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' इस साल रिलीज होगी। इस फिल्म में अक्षय कुमार समेत कई सारे सितारे नजर आएंगे।

दिशा पाटनी ऑस्कर विनिंग डायरैक्टर केविन स्पेसी की सुपरनैचुरल एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'होलिगाड्स' से हॉलीवुड में अपना धमाकेदार डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म के जरिए केविन स्पेसी 20 सालों के बाद डायरैक्शन में वापसी करने जा रहे हैं। फिल्म में दिशा, डॉल्फ लुंडग्रेन, टायरीज़ गिब्सन और ब्रायना हिल्डेब्रांड जैसे इंटरनैशनल सेलिब्रिटीज के साथ नजर आएंगी। टाइगर श्रॉफ के साथ दिशा का नाम कई सालों तक जुड़ा रहा। दोनों म्यूजिक वीडियो बेफिक्रा (2016) की शूटिंग के दौरान पहली बार मिले थे। इस म्यूजिक वीडियो को काफी अधिक पसंद किया गया। उसमें दिशा की खूबसूरती देखते ही बनती थी। इसके बाद बागी 2 (2018) में दोनों ने काम किया। टाइगर की फिल्म बागी 3 (2020) के लिए भी दिशा ने एक स्पैशल डांस किया था।

> *"दिशा को किक बॉक्सिंग, वेट ट्रेनिंग करना भी बेहद पसंद है। वह वेट ट्रेनिंग में हिप थ्रस्ट, केक वॉक और डेडलिफ्ट भी करती हैं। इनसे बॉडी को जबरदस्त स्ट्रैंथ मिलती है। आईपीएल 2025 की ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म करके दिशा पाटनी एक बार फिर छा गई। दिशा के लुक और उनकी परफॉर्मैंस की खूब तारीफ हुई।"*

इस कपल को फैंस खूब पसंद करते थे। यदि खबरों की मानें तो एक साथ काम करने के दौरान दिशा और टाइगर काफी करीब आ गए थे, लेकिन दोनों का ब्रेकअप हो गया हालांकि दिशा ने टाइगर के साथ उनके रिलेशन को लेकर कभी खुलकर बात नहीं की। दिशा पाटनी का नाम टाइगर श्रॉफ से पहले पार्थ सामथान के साथ भी जुड़ चुका है। करीब एक साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद वह अलग हुए थे। टाइगर से कथित ब्रेकअप के बाद दिशा का नाम अलेक्जैंडर एलैक्स के साथ भी जुड़ा क्योंकि कई मौकों पर अलेक्जैंडर और दिशा को साथ देखा गया था, लेकिन बाद में ये खबरें महज अफवाह साबित हुई।

इंडस्ट्री में भेदभाव पर बोलीं नुसरत भरूचा

कई अभिनेत्रियों ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में सैलरी और सुविधाओं को लेकर भेदभाव पर बात की है। अब नुसरत भरूचा ने भी इस पर अपनी राय रखी है। उन्होंने हाल ही में कहा है कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ अलग ही व्यवहार होता है। उनका कहना है कि पुरुषों के लिए सैट पर अच्छा वॉशरूम सेट से लेकर अच्छी वैनिटी वैन होती है। हालांकि महिलाओं के लिए सुविधाओं में कमी रहती है।

जितने विकल्प हीरो को मिलते हैं हमें नहीं मिलते

नुसरत ने हाल ही में बताया है जैसे ही बंदा हिट देता, वह इनसाइडर हो या आउटसाइडर इससे फर्क नहीं पड़ता है। उसे तुरंत पांच फिल्में मिल जाएंगी। हालांकि महिलाओं को संघर्ष करते रहना पड़ता है। मैं प्यार का पंचनामा (2011) से यह बात बोलती आ रही हूं। बस, आपको मौके की जरूरत होती है। जितने ऑप्शंस हीरो को मिल जाते हैं। उतने हमें नहीं मिलते।

5 मिनट वॉशरूम इस्तेमाल करने के लिए लेती थी इजाजत

इसी बातचीत में नुसरत ने आगे कहा एक वक्त था जब मैं पूछती थी कि क्या पांच मिनट के लिए हीरो की वैनिटी इस्तेमाल कर सकती हूं वह यहां नहीं है क्या मैं वॉशरूम इस्तेमाल कर लूं हालांकि मैं उस वक्त शिकायत नहीं करती थी। मैं खुद से कहती थी कि मैं खुद को ऐसी जगह लाऊंगी जहां चीजें अपने आप मिलें।

बिजनैस क्लास में चलती हैं नुसरत

नुसरत भरूचा ने बताया कि एक बार उन्हें फिल्म में छोटा रोल मिला था। उनके साथी अभिनेता को बिजनैस क्लास का टिकट मिला, लेकिन उन्हें इकोनॉमी क्लास का। उनके साथियों ने उन्हें बिजनैस क्लास में बैठने के लिए कहा, लेकिन वह नहीं आईं। आज वह बिजनैस क्लास में ही सफर करती हैं।

नुसरत भरूचा का काम

हाल ही में नुसरत भरूचा फिल्म 'छोटी 2' में नजर आई थीं। फिल्म में उनके साथ सोहा अली खान भी थीं। इसके निर्देशक विशाल फुरिया थे। इसके निर्माता भूषण कुमार और कृष्ण कुमार थे। फिल्म को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया था। नुसरत 'एलएसडी' और 'ड्रीम गर्ल' जैसी फिल्मों मे नजर आ चुकी हैं।

'रामायण' में हुई सुरभि दास की एंट्री

हाल ही में फिल्म 'रामायण' का फर्स्ट लुक जारी किया गया। इसमें रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आए और साउथ एक्टर यश रावण के किरदार में दिखे। फिल्म में सीता माता की भूमिका में साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी हैं। वहीं एक टीवी एक्ट्रेस भी इस फिल्म का हिस्सा बनने वाली हैं।

उर्मिला के किरदार में आएंगी नजर यह एक्ट्रेस

असमिया एक्ट्रेस सुरभि दास फिल्म 'रामायण' में उर्मिला की भूमिका में दिखेंगी। उर्मिला माता सीता की बहन हैं। उर्मिला, प्रभु राम के भाई लक्ष्मण की पत्नी भी हैं। फिल्म में उर्मिला का त्याग भी दिखाया जाएगा। लक्ष्मण का रोल फिल्म 'रामायण' में टीवी एक्टर रवि दुबे कर रहे हैं। इस तरह से सुरभि दास और रवि दुबे एक साथ अभिनय करते हुए नजर आएंगे।

इस सीरियल में नजर आ चुकी हैं सुरभि दास

सुरभि एक असमिया एक्ट्रेस हैं। साथ ही वह एक हिंदी टीवी सीरियल 'नीमा डेन्जोंगपा' में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा वह दादा तुमी दुस्तो बोर नाम की बंगाली फिल्म भी कर चुकी हैं। अब नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'रामायण' में नजर आएंगी।

फिल्म का हिस्सा बनकर खुश हैं सुरभि दास

सुरभि दास ने हालिया बातचीत में बताया कि वह फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर और साई पल्लवी के साथ काम करके खुश हैं। वह कहती हैं, 'रणबीर कपूर बहुत ही मेहनती एक्टर हैं, उनके एक्टिंग को देखकर बहुत कुछ सीखा जा सकता है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर खुद को लकी महसूस कर रही हूं।'

वह आगे कहती हैं, 'मैंने सैट पर रणबीर कपूर से बातचीत की। वह सबको रिस्पैक्ट देते हैं। शूटिंग के आखिरी दिन भी हमने नॉर्मल बातचीत की। वैसे रणबीर के साथ ही मुझे साई पल्लवी के साथ काम करने का मौका मिला। वह बहुत प्यारी हैं। मैं बस अब फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रही हूं।'

कभी कोई दूसरा नहीं ले सकता अमिताभ बच्चन की जगह

बॉलीवुड के 'शहंशाह' अमिताभ बच्चन जिस तरह आजकल अपनी ब्लॉग राइटिंग में अपने अभिनय करियर को विराम देने के संकेत कर रहे हैं, अगर वह सही है तो उनका अभिनय से रिटायर होना न केवल एक युग के अंत की तरह होगा बल्कि भारतीय सिनेमा के इतिहास में यह एक ऐसा समय होगा, जब हम पीछे मुड़कर ऐसे कलाकार की ओर देखेंगे, जिसने पर्दे के पार जाकर सिनेमा को जनता की चेतना से जोड़ा है। 83 वर्षीय अमिताभ बच्चन की अभिनय यात्रा केवल फिल्मों तक ही सीमित नहीं रही, यह भारतीय समाज, राजनीति, मीडिया और जनभावनाओं की बदलती धारा का दर्पण रही है। उनकी 55 वर्ष की यात्रा को अगर हम टटोले तो यह साफ होता है कि वह सिर्फ एक अभिनेता नहीं बल्कि बॉलीवुड की वैसी ही एक संस्था में तब्दील हो गए हैं जैसे दिलीप कुमार हुआ करते थे और राजकपूर हुआ करते थे।

खामोश शुरुआत, बुलंदी की ओर

हम सब जानते हैं कि अमिताभ बच्चन ने साल 1969 में फिल्म 'सात हिंदुस्तानी' से अपने करियर की शुरुआत की थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर पाई थी और इसके बाद उनकी आई कम से कम आधा दर्जन फिल्में भी कुछ खास नहीं कर पाईं। लेकिन फिर 1973 में अमिताभ बच्चन अभिनीत फिल्म 'जंजीर' आई और यहां से इतिहास बन गया। बॉलीवुड में एक एंग्रीयंग मैन पैदा हुआ, जो आगे चलकर मायानगरी का शहंशाह बना। उन्होंने न सिर्फ अपनी बल्कि अपने दौर की भी एक अलग पहचान बनाई। अमिताभ बच्चन की सफलता का चरम दौर वह दौर था, जब भारत में राजनीतिक अस्थिरता, बेरोजगारी और सामाजिक असंतोष ने खूब सिर उठा रखा था। अमिताभ बच्चन का किरदार इन सभी समस्याओं की मुखर आवाज बन गए। युवा बेरोजगार थे, लेकिन कुछ कर गुजरने के लिए बेचैन थे और अमिताभ बच्चन के अलग-अलग किरदारों ने उन्हें बखूबी, पर्दे पर उतारा।

और फिर बने सदी के महानायक

1980 के दशक तक आते-आते अमिताभ बच्चन केवल बॉलीवुड के सुपरस्टार ही नहीं रहे बल्कि सदी के महानायक बन गए। उनकी लोकप्रियता का आलम यह हो चुका था कि फिल्म 'कुली' की शूटिंग के दौरान वह घायल हो गए तो लगभग पूरा देश उनकी सेहत के लिए प्रार्थना में जुट गया। यह महज उनका स्टारडम नहीं था बल्कि लोगों का उनके प्रति भावनात्मक लगाव था। अमिताभ की अभिनय क्षमता, उनकी संवाद अदायगी, उनके चेहरे के सम्पूर्ण भाव, अभिव्यक्ति और उनके शरीर की थिरकती हुई देहभाषा, इन सब चीजों ने मिलकर उन्हें एक ऐसा महानायक बना दिया, जैसा बॉलीवुड में कभी न था और शायद फिर कभी न आए। उनकी इसी खासियत ने 'दीवार', 'शोले', 'अमर अकबर एंथनी', 'त्रिशूल', 'दान', 'मुकद्दर का सिकंदर', 'कालिया' और 'सत्ते पे सत्ता' जैसी फिल्मों को हमेशा-हमेशा के लिए भारतीय सिनेकोष का चमकता सितारा बना दिया। इन सभी फिल्मों में उनके बहुआयामी किरदार थे, वे कभी विद्रोही होते, कभी दुखी प्रेमी, कभी दो व्यक्तित्व के बीच जद्दोजहद करते दिखते, तो कभी अपनी विशेष कॉमेडी और वाकपटुता से लोगों को हंसा-हंसाकर लोटपोट कर देते।

फिर पहुंचे राजनीति में

1984 में भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का निधन और उनके करीबी दोस्त राजीव गांधी का प्रधानमंत्री बनने के कारण वह धीरे-धीरे सत्ता के नजदीक आने लगे। इसी साल हुए लोकसभा चुनाव में अमिताभ बच्चन ने इलाहाबाद लोकसभा क्षेत्र से लोकदल के कद्दावर नेता हेमवती नंदन बहुगुणा को भारी मतों से हराया था। कुल पड़े मतों में अमिताभ बच्चन को 68.21 फीसदी मत मिले थे और उन्होंने बहुगुणा जैसे दिग्गज नेता को भी लगभग 2 लाख वोटों से हरा दिया। लेकिन जल्द ही राजनीति से उनका दिल भर गया और उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

फिर आया असफलता का दौर

1990 के दशक में उनकी एक-एक करके लगातार कई फिल्में फ्लॉप हो गईं और जब उन्होंने फिल्म निर्माण की अपनी एक कंपनी एबीसी बनाई, तो वह भी जबरदस्त घाटे में डूब गई, तब उनकी प्रोफैशनल लाइफ ही नहीं बल्कि उनकी आर्थिक हैसियत का पुनर्जन्म सन् 2000 में 'कौन बनेगा करोड़पति' नामक एक टैलीविजन कार्यक्रम से हुआ। इसके जरिए उन्होंने न केवल अपने ऊपर चढ़े सभी तरह के कर्जों को उतार दिया बल्कि इसी के बदौलत उन्होंने फिर से देशभर के कोने-कोने में इतनी ज्यादा लोकप्रियता हासिल कर ली, कि 'मोहब्बतें', 'बागवान', 'ब्लैक', 'पा' और 'पीकू' जैसी फिल्मों में दोबारा अभिनय की बुलंदी का झंडा फहराया।

किन खूबियों के लिए याद रखे जाएंगे अमिताभ

अमिताभ अपने अभिनय की विविधता, घनगर्जन आवाज, हारकर जीत की तरफ लौटने के जज्बे और आधुनिकता के साथ परंपरा और संस्कारों के साथ चलने के तौर-तरीकों के लिए याद रखे जाएंगे। अमिताभ में कूट-कूटकर अभिनय की प्रतिभा भरी है, वह जितना अच्छा गंभीर अभिनय करते हैं, उतना ही शानदार हास्य, रोमांटिक अभिनय भी कर लेते हैं। वह जितने फड़कते हुए नौजवान लगे हैं, उतने ही ग्रेसफुल बूढ़े भी लगे हैं। अमिताभ एक ऐसे अभिनेता हैं जो हर तरह के किरदार में अपनी जान डाल देते हैं। किस तरह से बाजी हारकर जीती जा सकती है, यह सिर्फ अमिताभ की फिल्मों में उनकी अभिनय क्षमता से ही नहीं बल्कि उनकी वास्तविक जिंदगी की हकीकत से भी जाना और सीखा जा सकता है। अमिताभ कितने बढ़िया और पॉयट्रिक अंग्रेजी बोलते हैं, उतनी ही बहती हुई हिंदी उनकी जुबान से झड़ती है इसलिए बॉलीवुड में उनकी जगह कभी कोई दूसरा नहीं ले सकता।

बॉलीवुड के इतिहास में कई महान कलाकार हुए हैं, लेकिन वह किसी एक क्षेत्र में ही महान रहे हैं। अगर राजकपूर ने आम लोगों के दिल को छुआ, तो दिलीप कुमार ने अभिनय की प्रतिभा को गहराई दी। शाहरुख खान ने मायानगरी में रोमांस को नए ढंग से परिभाषित किया, लेकिन अमिताभ बच्चन में ये सारी खूबियां एक साथ थीं। उन्होंने बेहद व्यापक, सामाजिक और नैतिक फलक को अपने अभिनय के जरिए प्रतिष्ठित किया। उन्होंने सिर्फ एक अभिनेता के रूप में ही नहीं, बॉलीवुड में अपनी एक संवेदनशील, जिम्मेदार और अनुशासित महानायक की भी छवि बनाई है। अमिताभ बच्चन का जनमानस के साथ जुड़ाव अविस्मरणीय है। वह देश के हर वर्ग के दर्शकों को एक जैसे प्रभावित करते हैं। उनमें अनुशासन और पेशेवराना ईमानदारी कूट-कूटकर भरी हुई है। वह भारत की विशाल सांस्कृतिक छवि के प्रतीक हैं और वैश्विक स्तर पर भारत की संस्कृति का प्रतिनिधित्व करते हैं इसलिए अमिताभ बच्चन जब अभिनय से विदा करेंगे तो उनके साथ ही अभिनय और सिनेमाई संवेदना के एक युग का अंत हो जाएगा।

MOVIE REVIEW

-सवेरा फीचर्स

सरज़मीन ★½

कलाकार: काजोल, पृथ्वीराज सुकुमारन, इब्राहिम अली आदि।
निर्देशक: कायोज़ ईरानी।

'वतन के आगे कुछ नहीं, खुद भी नहीं।' फिल्म 'राज़ी' का यह डायलॉग तो आपको याद ही होगा! निर्माता करण जौहर अब उसी तर्ज पर अपनी नई देशभक्ति फिल्म लेकर आए हैं। फिल्म का नाम है- सरजमीन और सार है- सरजमीं के आगे कुछ नहीं, बेटा भी नहीं, लेकिन अफसोस कि देशभक्ति के जज्बे से लेकर रिश्तों की भावनाओं तक, करण जौहर की यह फिल्म किसी मायने में 'राज़ी' के करीब भी नहीं फटकती।

'सरज़मीन' की कहानी

कश्मीर की खूबसूरत वादियों में सैट यह कहानी है, देश को सबसे ऊपर रखने वाले जांबाज आर्मी अफसर कर्नल विजय मेनन (पृथ्वीराज सुकुमारन) की, जो एक मुठभेड़ में दो आतंकियों आबिल और काबिल को गिरफ्तार कर लेता है। इन दोनों को रिहा करवाने के लिए आतंकी विजय के बेटे हरमन (इब्राहिम अली खान) को अगवा कर लेते हैं। अब विजय को देश और बेटे में से

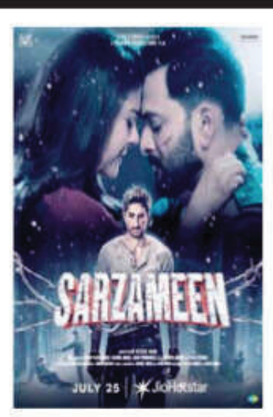

किसी एक को चुनना है। अपनी पत्नी मेहरूनिसा (काजोल) के दबाव में आकर पिता के दिल के आगे वह झुक भी जाता है और बेटे के बदले इन आतंकियों को छोड़ने को तैयार हो जाता है, मगर ऐन मौके पर देश के प्रति उसका कर्तव्य जाग जाता है। इसका नतीजा यह होता है कि आतंकी हरमन को अपने साथ लेकर जाते हैं, जो आठ साल बाद वापस कर्नल विजय की जिंदगी में लौटता है, लेकिन अब वह पहले जैसा कमजोर तुतलाने वाला बच्चा नहीं रहा। वह एक प्रशिक्षित आतंकवादी बन चुका है। ऐसे में, एक-दूसरे के खिलाफ खड़े इस बाप और बेटे का रिश्ता किस मोड़ पर जाता है? विजय इस बार किसे चुनेगा- बेटा या देश? यह सब फिल्म देखकर पता चलेगा।

सरज़मीन मूवी रिव्यू

सोमिल शुक्ला-अरुण सिंह की लिखी यह कहानी कागजों पर यकीनन आकर्षक रही होगी, जिसमें एक फौजी के कर्तव्य और पिता के दिल के बीच जंग का इंटैंस ड्रामा है, देशभक्ति का इमोशन है और आखिर में हैरान कर देने वाला एक जोरदार ट्विस्ट भी। मगर स्क्रीनप्ले बिना किसी रिसर्च के इतने हल्के ढंग से लिखा गया है कि कहानी का न सिर सलामत बचता है, न पैरों के नीचे जमीन। ऊपर से, आर्मी के प्रोटोकॉल की तो जो धज्जियां उड़ाई गई हैं, पूछिए मत।

मसलन, दो वांटेड आतंकी को छोड़ने का फैसला कर्नल विजय अकेले कर लेते हैं। न उन्हें किसी से पूछने की जरूरत है, न सलाह-मशवरे की। इस दौरान एक आतंकी फरार हो जाता है, पर किसी को फर्क नहीं पड़ता। फिर, कई साल बाद अचानक एक लड़का अपना नाम हरमन विजय मेनन बताता है और वह उसे बिना जांच-पड़ताल पूरी किए अपने घर ले आते हैं। घर लाने के बाद इंवेस्टिगेशन करते रहते हैं। आर्मी अफसर की पत्नी के तौर पर काजोल के एक्शन भी समझ से परे लगते हैं। ऐसे अधिकारियों की पत्नियां बड़े से बड़े दुख को गरिमा के साथ झेल जाती हैं। देश को ऊपर रखने की खातिर पति को ऑफिस में तमाचा रसीद नहीं करतीं। इन सब वजहों से फिल्म शुरू से ही अपनी विश्वसनीयता खो देती है। इन किरदारों से जुड़ाव ही महसूस नहीं होता। आखिर का ट्विस्ट थोड़ा सा चौंकाता जरूर है, मगर कुल मिलाकर अपनी पहली फिल्म डायरैक्ट करने वाले कायोज़ ईरानी प्रभावित नहीं कर पाए हैं।

एक तो आधी फिल्म अंधेरे में शूट की गई है, जिसे देखने के लिए आंखें फाड़नी पड़ती हैं। फिल्म की रफ्तार भी बेहद धीमी है। उस पर गानों की भरमार है, जो खूबसूरत बोल के बावजूद कानों में चुभते हैं। बैकग्राउंड स्कोर भी लाउड है।

फिल्म की थोड़ी-बहुत इज्जत काजोल और पृथ्वीराज सुकुमारन जैसे मंझे हुए कलाकारों ने बचाई है। उन्होंने अपनी तरफ से ईमानदार एक्टिंग की है, लेकिन लेखन की खामियां उनकी कोशिश पर भारी पड़ती हैं।

इब्राहिम अली खान निश्चित तौर पर अपनी डेब्यू फिल्म 'नादानियां' के मुकाबले काफी बेहतर हैं, मगर एक्टिंग सीखने के लिए अभी उन्हें और मेहनत करनी होगी। बोमन ईरानी, मिहिर आहूजा समेत बाकी के साथी कलाकार भी कुछ खास प्रभावित नहीं करते।

क्यों देखें- अगर घर बैठे हैं, खाली समय में कुछ और करने के लिए नहीं है, बेहतर होगा तभी यह फिल्म देखें।

दैनिक सवेरा टाइम्स न्यूज मीडिया नैटवर्क इस फिल्म को 1.5 स्टार रेटिंग देता है।

दैनिक सवेरा टाइम्स एंड मीडिया नैटवर्क प्रकाशित फीचर सामग्री की प्रामाणिकता की अक्षरशः पुष्टि नहीं करता एवं इसके लिए उत्तरदायी नहीं है।

मैनचेस्टर टेस्टः अंतिम दिन तीन भारतीय बल्लेबाजों ने जड़े शतक

गिल,जडेजा और सुंदर के साहसिक शतकों से चौथा टेस्ट मैच ड्रा समाप्त

शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर की शतकीय पारियों के दम पर भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए चौथे टेस्ट मैच के ड्रॉ करा लिया। इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन और ऋषभ पंत की अर्धशतकीय पारियों के दम पर 358 रन बनाए थे। पहली पारी में इंग्लैंड ने 10 विकेट पर 669 रन बनाए और 311 रनों की बढ़त हासिल की। इसके बाद भारत ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 425 रन बनाए और मैच ड्रॉ पर समाप्त कर दिया। इंग्लैंड अब भी पांच मैचों की इस सीरीज में 1-2 से आगे है। मौजूदा सीरीज का आखिरी मुकाबला 31 अगस्त से द ओवल में खेला जाएगा।

मैनचेस्टर

गिल के शतक के बाद रवींद्र जडेजा (नाबाद 107) और वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 101) के जुझारू और साहसिक शतकीय पारियों की बदौलत भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच के पांचवें दिन चार विकेट पर 425 का स्कोर खड़ा कर मुकाबले को ड्रा करा दिया। चायकाल के बाद बल्लेबाजी करने उतरी जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर की जोड़ी ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने शतक पूरे किये। पहले जडेजा ने अपना शतक पूरा किया। जडेजा ने 185 गेंदों में 13 चौके और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 107 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। 143वें ओवर की आखिरी गेंद पर सुंदर ने दो रन बनाकर अपना शतक पूरा किया। इसके साथ ही दोनों टीमों ने हाथ मिलाकर मैच ड्रा घोषित किया। भारतीय क्रिकेट इतिहास में यह पहली बार है तीन बल्लेबाजो ने दूसरी पारी में शतक जड़ा है। इसे पहले भारत चायकाल तक चार विकेट पर 322 रन बनाकर दूसरी पारी में 11 रन की बढ़त बना ली थी। इंग्लैंड को पहली पारी में 311 रन की बढ़त हासिल थी। भारत ने पिछले सेशन के अंत में जरूर कप्तान शुभमन गिल का एक अहम विकेट गंवाया लेकिन यहां पर इस सेशन में वॉशिंगटन सुंदर ओर रवींद्र जडेजा ने सुनिश्चित किया कि कोई और विकेट ना गिरे और पांचवें विकेट के लिए 100 रनों की नाबाद साझेदारी करके दिखाई। दोनों अर्धशतक लगा चुके थे इससे पहले भारत ने कल के दो विकेट पर 174 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में केएल राहुल ने अपने स्कोर में तीन रन जोड़े थे कि इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने उन्हें पगबाधा आउट कर भारत को तीसरा झटका दिया। केएल राहुल ने 230 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 90 रन बनाये। इंग्लैंड को पहले सेशन में दो बहुमूल्य विकेट मिले हैं। केएल राहुल शतक से चूके तो शुभमन गिल ने अपने करियर का नौवां और सीरीज का चौथा शतक बनाया लेकिन भारत अभी भी मुश्किलों में है। उन्होंने इस सेशन 26 ओवर में 49 रन बनाए हैं, जबकि दो विकेट गंवाए हैं। राहुल के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आये वॉशिंगटन सुंदर ने गिल के साथ संभल कर खेलते हुए धीमी गति से स्कोर को आगे बढ़ाया। इसी दौरान 83वें ओवर की आखिरी गेंद पर शुभमन गिल ने वोक्स की गेंद पर एक रन लेकर अपना शतक पूरा किया। गिल ने इस टेस्ट सीरीज के अपने चौथे शतक के लिये 228 गेंदों का सामना किया। यह शुभमन गिल के टेस्ट करियर का सबसे धीमा शतक है। इसी के साथ गिल सचिन तेंदुलकर के बाद मैनचेस्टर में शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गये। सचिन ने इसी मैदान पर 1991 में शतक जड़ा था। इंग्लैंड की ओर से क्रिस वोक्स ने दो विकेट लिये। बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (5/72, 141 & 1/33)प्लेयर ऑफ़ द मैच रहे।

इटली ने पोलैंड को हराकर महिला वीएनएल के फाइनल में प्रवेश किया

वारसा

मौजूदा चैंपियन इटली ने शनिवार को 2025 एफआईवीबी महिला वॉलीबॉल नेशंस लीग (वीएनएल) के सेमीफाइनल में मेजबान पोलैंड पर सीधे सेटों में शानदार जीत के साथ अपनी जीत का सिलसिला 28 मैचों तक बढ़ा दिया।

अनुभवी कोच जूलियो वेलास्को के नेतृत्व में, इटली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हर सांख्यिकीय वर्ग में पोलैंड को पछाड़ दिया। गत चैंपियन ने पोलैंड के 30 किल के मुकाबले 51 किल दर्ज किए और मेजबान टीम के छह ब्लॉकों के मुकाबले 11 ब्लॉक दर्ज किए। टीम की कप्तान और मिडिल ब्लॉकर अन्ना दानेसी ने नेट पर सभी खिलाड़ियों का नेतृत्व करते हुए पांच ब्लॉक लगाए। पाओला एगोनू ने एक बार फिर इटली के आक्रमण का नेतृत्व किया और मैच में सर्वाधिक 17 अंक बनाए, जिसमें 15 किल, एक ब्लॉक और एक ऐस शामिल हैं। आउटसाइड हिटर एलिस डेग्राडी ने 13 अंक बनाए, जबकि मिडल ब्लॉकर एग्निस्का कोर्नेलुक ने 11 अंकों के साथ पोलैंड का नेतृत्व किया।

डेग्राडी ने मैच के बाद आधिकारिक वीएनएल वेबसाइट को दिए एक साक्षात्कार में कहा, यह हमारा वाकई शानदार प्रदर्शन था। हमारी ब्लॉकिंग और डिफेंस बेहद मज़बूत थी, और हमने उनके लिए गोल करना बेहद मुश्किल बना दिया। हम पूरे मैच में लगातार बेहतर होते रहे। हर मैच एक नई चुनौती है, और अब हमारा पूरा ध्यान फाइनल पर है।

पोलैंड को इटली के लगातार दबाव के सामने अपनी लय हासिल करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

कप्तान शुभमन गिल ने बनाया विश्व कीर्तिमान

मैनचेस्टर

टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट की दूसरी पारी में शानदार शतक लगाया है। इस पारी में गिल 103 रन बनाकर आउट हुए। इस शतकीय पारी के साथ ही गिल ने एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। शुभमन गिल के लिए बतौर कप्तान यह डेब्यू टेस्ट सीरीज है। इस सीरीज में वह 4 शतक लगा चुके हैं और गिल डेब्यू टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले कप्तान बन गए हैं।

डेब्यू टेस्ट सीरीज में शुभमन गिल ने ठोके 4 शतक

डेब्यू टेस्ट सीरीज में कप्तान के तौर सबसे ज्यादा शतक वारविक आर्मस्ट्रांग, ब्रैडमैन, ग्रेग चैपल, विराट कोहली और स्टीवन स्मिथ ने लगाए थे। इन सभी प्लेयर्स के नाम डेब्यू टेस्ट सीरीज में 3 शतक दर्ज हैं। वहीं शुभमन गिल ने कप्तान बनने के बाद अपने पहले ही टेस्ट सीरीज में इतिहास रच दिया है। वह इस सीरीज में चार शतक की बदौलत 700 से अधिक रन बना चुके हैं। इसके साथ ही उन्होंने मैनचेस्टर में 35 साल के सूखे को खत्म किया है।

35 साल बाद मैनचेस्टर में भारतीय बल्लेबाज ने लगाया शतक

मैनचेस्टर में गिल से पहले आखिरी शतक सचिन तेंदुलकर के बल्ले से आया था। उन्होंने 1990 में इस मैदान पर शतक लगाया था। अब गिल ने इस कारनामे को दोहराया है। गिल ने 35 साल बाद इस सूखे को भी खत्म करते हुए इतिहास रच दिया है। शुभमन गिल ने इस मैच में 228 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। इसके साथ ही इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी अब शुभमन गिल के नाम हो गया है। उनसे पहले ये रिकॉर्ड यशस्वी जायसवाल के नाम था। जायसवाल ने साल 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ एक सीरीज में 712 रन बनाए थे।

विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप 2025

सुमर मैकिन्टोश ने महिला और लुकास मार्टेंस ने पुरूष वर्ग का जीता खिताब

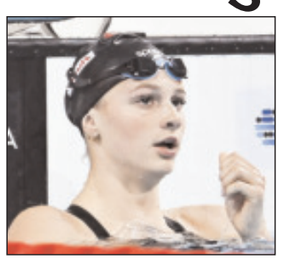

सिंगापुर

विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप 2025 की तैराकी प्रतियोगिता में महिलाओं की 400 मीटर स्पर्धा के फाइनल में कनाडाई सुपरस्टार सुमर मैकिन्टोश ने लंबी दूरी की तैराकी की क्वीन केटी लेडेकी को हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं जर्मनी के ओलंपिक चैंपियन और विश्व रिकॉर्ड धारक लुकास मार्टेंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष वर्ग का खिताब अपने नाम किया।

कनाडाई सुपरस्टार समर मैकिन्टोश ने महिलाओं के 400 मीटर फाइनल में 3:56.26 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। ओलंपिक रजत पदक विजेता मैकिन्टोश शुरू से आखिरी तक दौड़ में आगे रही और केटी लेडेकी को इस स्पर्धा में अपना पांचवां खिताब जीतने से रोक दिया। चीन की ली बिंगजी 3:58.21 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि लेडेकी ने 3:58.49 के समय के साथ कांस्य पदक जीता। यह मैकिन्टोश के करियर का नौवां लॉन्ग-कोर्स विश्व खिताब है।

पुरुष वर्ग में मौजूदा ओलंपिक 400 मीटर फ्रीस्टाइल चैंपियन लुकास मार्टेंस ने ऑस्ट्रेलिया के 2023 विश्व चैंपियन सैम शॉर्ट को 0.02 सेकंड से हराकर अपना पहला वैश्विक खिताब जीता।

विश्व रिकॉर्ड धारक ने 3:42.35 के समय में पहला स्थान हासिल किया। दक्षिण कोरिया के वूमिन किम को कांस्य पदक मिला।

जडेजा 30 से अधिक विकेट और एक हजार से अधिक रन बनाने वाले तीसरे विदेशी खिलाड़ी बने

मैनचेस्टर

भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने किसी एक देश में आज एक हजार से अधिक रन और 30 से अधिक विकेट लेने वाले तीसरे खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। एक हजार से अधिक रन और 30 विकेट लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों की सूची में भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा का नाम भी शामिल हो गया।

यहां चौथे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में कप्तान शुभमन गिल के आउट होने के बाद बल्लेबाज करने आये जडेजा ने इंग्लैंड के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए यह उपब्लधि हासिल की। वेस्टइंडीज के गैरी सोबर्स, इंग्लैंड में 1820 रन और 62 विकेट लेकर इस मामले में शीर्ष पर है। इस मामले में इंग्लैंड के विल्फ्रेड रोड्स ऑस्ट्रेलिया में 1032 रन और 42 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर है। अब भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा इंग्लैंड में 1021 रन, 34 विकेट के साथ यह हासिल करने वाले तीसरे विदेशी खिलाड़ी बन गये है।

भारत के पास सीरीज में बराबरी करने का मौका

भले ही चौथा टेस्ट मैच ड्रॉ हो गया हो, लेकिन भारतीय टीम अभी भी सीरीज में 1-2 से पीछे चल रही है। अब दोनों टीमों के बीच पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच 31 जुलाई से खेला जाएगा। इसमें अगर टीम इंडिया जीत दर्ज कर लेती है, तो वह सीरीज में बराबरी हासिल कर लेगी।

टी-20 मुकाबला : ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 3 विकेट से हराया

ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज में 4-0 की अजेय बढ़त बनाई

बासटेयर

कैमरून ग्रीन (नाबाद 55), जॉश इंग्लिस (55) और ग्लेन मैक्सवेल (47) की शानदार पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने चौथे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को चार गेंद शेष रहते तीन विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों सीरीज में 4-0 से अजेय बढ़त बना ली है।

206 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में कप्तान मिचेल मार्श (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद जॉश इंग्लिस और ग्लेन मैक्सवेल की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया की पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिये 65 रन जोड़े। सातवें ओवर में रोमारियो शेफर्ड ने जॉश इंग्लिस 30 गेंदों में 51 रन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। 11वें ओवर में अकील हुसैन ने ग्लेन मैक्सवेल (18 गेंदों में 47) को आउट कर ऑस्ट्रेलियाई तूफान को रोक दिया। इसके बाद मिचेल ओवेन (दो) और कूपर कॉनली (शून्य) के विकेट गिरने के बाद वेस्टइंडीज को जीत की उम्मीद जगी। लेकिन ऐरन हार्डी ने कैमरून ग्रीन के साथ छठे विकेट के लिए 51 रन जोड़ कर ऑस्ट्रेलिया को जीत की ओर अग्रसर कर दिया। ऐरन हार्डी 16 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुये। जेवियर बार्टलेट नौ रन आउट हुये। ऑस्ट्रेलिया ने 19.2 ओवर में सात विकेट पर 206 रन बनाकर मुकाबला तीन विकेट से जीत लिया। कैमरून ग्रीन 35 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 55 रनों की पारी खेली। वेस्टइंडीज की ओर से जेडाया ब्लेड्स ने तीन विकेट लिये। जेसन होल्डर, रोमारियो शेफर्ड और अकील हुसैन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज के लिए ब्रैंडन किंग और कप्तान शाई होप की सलामी जोड़ी ने तेज शुरुआत की। दूसरे ओवर में जेवियर बार्टलेट ने ब्रैंडन किंग (18) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई। वेस्टइंडीज का दूसरा विकेट शाई होप (10) के रूप में गिरा। उन्हें भी बार्टलेट ने आउट किया। रॉस्टन चेज शून्य पर आउट हुये। इसके बाद शरफेन रदरफोर्ड 15 गेंदों में 31 रन बना कर आउट हुये। एक समय वेस्टइंडीज ने 67 के स्कोर पर अपने चार विकेट गंवा दिये थे। ऐसे में रोवमैन पॉवेल ने शिमरोन हेटमायर के साथ पांचवें विकेट के लिए 43 रन जोड़कर टीम को संभालने का प्रयास। हेटमायर 16 रन और पॉवेल 28 रन बनाकर आउट हुये। इनके अलावा रोमारियो शेफर्ड ने 28, जबकि जेसन होल्डर ने 26 रन का योगदान दिया। वेस्टइंडीज ने निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 205 रनों का स्कोर खड़ा किया।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जम्पा ने तीन विकेट लिये। ऐरन हार्डी, जेवियर बार्टलेट और शॉन ऐबट ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया।

फिडे महिला शतरंज विश्वकप में दूसरे ड्रॉ के बाद हम्पी-दिव्या का फाइनल टाईब्रेक में पहुंचा

बातुमी (जार्जिया)

फिडे महिला शतरंज विश्व कप में कोनेरू हम्पी और दिव्या देशमुख के बीच अखिल भारतीय फाइनल मैच का दूसरा गेम आज जॉर्जिया के बटुमी में 34 चालों के बाद ड्रॉ पर समाप्त हुआ। सफ़ेद मोहरों से खेलते हुए, दिव्या द्वारा लगातार दो बार दांव लगाने के बाद हम्पी को बार-बार ड्रॉ पर जाना पड़ा। शनिवार को खिलाड़ियों के बीच पहला गेम भी ड्रॉ पर समाप्त हुआ था। अब फाइनल मैच के विजेता का फैसला कल खेले जाने वाले टाईब्रेकर में होगा। टाईब्रेक में 10-10 मिनट के दो रैपिड मैच खेले जाएंगे, प्रत्येक चाल के बाद 10 सेकंड का अंतराल होगा। यदि स्कोर बराबर रहता है, तो पाँच-पाँच मिनट के दो मैच खेले जाएँगे, प्रत्येक चाल के बाद तीन सेकंड का अंतराल होगा। यदि बराबरी जारी रहती है, तो तीन-तीन मिनट के दो ब्लिट्ज़ मैच खेले जाएँगे, प्रत्येक चाल के बाद दो सेकंड का अंतर होगा। यदि फिर भी कोई निर्णय नहीं निकलता है, तो विजेता निर्धारित होने तक 3+2 ब्लिट्ज़ मैच जारी रहेंगे। महिला विश्व कप की विजेता को 50,000 डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी, जबकि उपविजेता को 35,000 डॉलर मिलेंगे। यह अखिल भारतीय मुकाबला अगले साल के फिडे महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह सुनिश्चित करता है, जहाँ विजेता को विश्व चैम्पियनशिप खिताब के लिए जू वेनजुन को चुनौती देने का अधिकार मिलेगा।

जडेजा को स्टोक्स से बेहतर ऑलराउंडर मानते हैं कपिल

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि पिछले कुछ समय में इंग्लैंड के ऑलरांउडर बेन स्टोक्स ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर अगर भारत के रविन्द्र जडेजा से तुलना करें तो वह अभी भी पीछे हैं। कपिल ने कहा है कि जडेजा स्टोक्स से अधिक अच्छे ऑलराउंडर हैं। स्टोक्स ने भारत के खिलाफ मैनचेस्टर में 14वां टेस्ट शतक लगाया। इस दौरान उन्होंने अपने 7000 टेस्ट रन भी पूरे किए।

डीसी ओपनः लेलाह फर्नांडिज और अन्ना कालिन्सकाया फाइनल में

ऐम्मा रादुकानू और एलेना रिबाकिना सेमीफाइनल मुकाबला हारीं

वॉशिंगटन

लेलाह फर्नांडिज हार्ड कोर्ट टेनिस प्रतियोगिता डीसी ओपन के फाइनल में सत्र का पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीतने उतरेंगी जबकि अन्ना कालिन्सकाया की नजरें करियर के पहले खिताब पर होंगी। अमेरिकी ओपन 2021 की उप विजेता फर्नांडिज ने 12 ऐस लगाते हुए सेमीफाइनल में शनिवार को 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना को तीन घंटे और 16 मिनट में 6-7, 7-6, 7-6 से हराया। कालिन्सकाया ने हालांकि फर्नांडिज से आधे से भी कम समय में ऐम्मा राडुकानु को 6-4, 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में जगह बनाने वाली फर्नांडिज और कालिन्सकाया दोनों गैरवरीय खिलाड़ी हैं।

पुरुष एकल में सातवें वरीय एलेक्स डि मनोर ने कोरेंटिन मोटेट को 6-4, 6-3 से हराकर दूसरी बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई जहां उनकी भिड़ंत चौथे वरीय बेन शेल्टन और 12वें वरीय एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगी।

एफ1: पियास्ट्री ने बारिश से प्रभावित बेल्जियम ग्रां प्री में नॉरिस को हराया

नई दिल्ली

ऑस्कर पियास्त्री ने रविवार को बारिश के कारण विलंबित बेल्जियम ग्रां प्री में मैकलारेन टीम के अपने साथी और खिताब के प्रतिद्वंदी लैंडो नॉरिस को शुरुआती बढ़त से पीछे छोड़ते हुए जीत हासिल की और फॉर्मूला वन में अपनी बढ़त को 16 अंकों तक पहुँचाया। चार्ल्स लेक्लर फेरारी के लिए तीसरे स्थान पर रहे, जबकि मौजूदा चैंपियन मैकलारेन ने 13 रेसों में छठी बार और लगातार तीसरी बार वन-टू फिनिशिंग का जश्न मनाया। स्पा-फ्रैंकोरचैम्प्स में हुई रेस को शुरुआती फॉर्मेशन लैप के बाद रेड-फ्लैग कर दिया गया और खराब मौसम के कारण एक घंटे 20 मिनट की देरी से शुरू किया गया।

अंकिता ध्यानी ने स्टीपलचेज में जीता सिल्वर, भारत ने जीते कुल 12 पदक

राइन-रुहर (जर्मनी)

भारत ने एफआईएसयू विश्व विश्वविद्यालय खेल-2025 में अपना अभियान समाप्त किया, जहां आखिरी दिन महिलाओं की रेस वॉक टीम ने कांस्य पदक जीता और ओलंपियन अंकिता ध्यानी ने महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज में रजत पदक अपने नाम किया। टूर्नामेंट के आखिरी दिन के इन दो पदकों के साथ भारत ने कुल 12 पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया। जिसमें दो स्वर्ण, पांच रजत और पांच कांस्य पदक शामिल रहे।

अंकिता ध्यानी ने महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज में 9:31.99 के समय के साथ रजत पदक जीता। फिनलैंड की इलोना मोनोनेन ने 9: 31.86 समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि जर्मनी की एडिया बुड्डे ने 9:33.34 समय में दौड़ पूरी कर कांस्य पदक जीता। भारत को अंतिम दिन का पहला पदक महिलाओं की 20 किमी रेस वॉक स्पर्धा में मिला। इस इवेंट में भारतीय टीम सेजल अनिल सिंह, मुनिता प्रजापति और मानसी नेगी ने कुल समय 4:56.06 के साथ कांस्य पदक जीता। महिलाओं की इस 20 किमी रेस वॉक स्पर्धा में चीन ने 4:28.51 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 4:31.20 समय में दौड़ पूरी कर रजत पदक हासिल किया।

मेंस 100 मीटर रिले में भारतीय टीम लालू प्रसाद भोई, अनिमेष कुजूर, मणिकंटा होबलीधर और डोंडापति मृत्युंजयाराम ने 38.89 सेकेंड का समय लेकर कांस्य पदक जीता। गोल्ड मेडल दक्षिण कोरिया ने 38.50 सेकेंड में रेस पूरी करके जीता, जबकि साउथ अफ्रीका ने 38.80 सेकंड के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। शनिवार को प्रवीण चित्रवेल ने पुरुषों की ट्रिपल जंप में और सीमा ने महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता था।

रग्बी विश्व कप प्ले-ऑफ में नामीबिया ने यूएई को हराया

कंपाला

नामीबिया ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को हराकर रग्बी विश्वकप 2027 के अंतिम चरण/रेपेचेज क्वालीफायर में जगह बना ली है। नामीबिया ने युगांडा के कंपाला स्थित मंडेला नेशनल स्टेडियम में एशिया/अफ्रीका प्ले-ऑफ में यूएई को 86-29 से हराया।

एशियाई टीम ने केवल तीन मिनट बाद ही एमोसी वेकानौआ के प्रयास से बढ़त बना ली, मैक्स जॉनसन ने गोल करके यूएई को 7-0 की बढ़त दिला दी। लेकिन नामीबिया ने जर्गेन मेयर के प्रयास को विफल करने के लिए एक त्वरित बदलाव के साथ वापसी की।

प्रदेश में हर साल 10 से 12 प्रतिशत की दर से बढ़ रहे बाघ

भोपाल (नगर संवाददाता)

मप्र के वनक्षेत्र और शहरों से सटे वनों में भी बाघों का डेरा है। प्रदेश में ट्रांसलोकेशन और हैबिटेट विकास से बाघों की संख्या में हर साल 10 से 12 फीसदी का इजाफा हो रहा है। यह दर अगली बाघ गणना में ज्यादा हो सकती है। प्रदेश नए वनक्षेत्रों में भी अब बाघों ने अपना ठिकाना बना लिया है। प्रदेश में बाघों के संरक्षण के लिए पिछले दो साल में तीन नए टाइगर रिजर्व बन चुके हैं। प्रदेश में अब टाइगर रिजर्व की संख्या 9 हो गई है, जो देश में सबसे अधिक है।

मप्र के बाघों के संरक्षण के लिए गांवो का वैज्ञानिक विस्थापन किया। वर्ष 2010 से 2022 तक टाइगर रिजर्व में बसे छोटे-छोटे 200 गांव को विस्थापित किया गया। सर्वाधिक 75 गांव सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से बाहर किए गए।

बाघों की संख्या में वृद्धि

वर्ष	बाघों की संख्या
2014	308
2018	526
2022	785

ट्रांसलोकेशन के तहत कान्हा के बारहसिंगा, बायसन और वाइल्ड बोर का ट्रांसलोकेशन कर दूसरे टाइगर रिजर्व में उन्हें बसाया गया। इससे बाघ के लिए भोजन बढ़ा। हैबिटेट विकास के तहत जंगल के बीच में जो गांव और खेत खाली हुए, वहां घास के मैदान और तालाब विकसित किए गए, जिससे शाकाहारी जानवरों की संख्या बढ़ी और बाघ के लिए आहार भी उपलब्ध हुआ। अब प्रदेश में बाघों की अगली गणना की तैयारी भी शुरू हो गई है। अगली गणना में बाघों की संख्या में और अधिक इजाफा होगा। हालांकि बाघों की संख्या बढ़ने के साथ ही इनकी मौत के आंकड़े भी बढ़ रहे हैं। इस साल अब तक प्रदेश के वनक्षेत्रों में 30 बाघों की मौत हो चुकी है। इनमें से 14 बाघों की मौत टाइगर रिजर्व के बाहर हुई है। यानी टाइगर रिजर्व के बाहर का वनक्षेत्र बाघों के लिए सुरक्षित नहीं है।

प्रदेश में ऐसे बढ़े बाघ

2014 से 2022 तक कुल वृद्धि	477 बाघ
कुल प्रतिशत वृद्धि	154.87 फीसदी
औसत वार्षिक वृद्धि दर (2014- 2022)	12.12 फीसदी
सिर्फ 2018- 2022 औसत वार्षिक वृद्धि दर	10.57 फीसदी

प्रदेश में ऐसे बढ़ी बाघों की संख्या

वर्ष 2014 में प्रदेश में जहां 308 बाघ थे, वहीं साल 2022 में यह संख्या बढ़कर 785 तक पहुंच गई। आठ वर्षों में 477 बाघ बढ़, जो कुल 154.87 फीसदी रही। प्रदेश में बाघों की औसत वार्षिक वृद्धि दर 12.12 फीसदी रही, जो राष्ट्रीय स्तर पर भी एक मिसाल है। साल 2018 में मप्र में बाघों की संख्या 526 थी। साल 2022 की गणना में बाघों की संख्या 785 हो गई। इस अवधि में हर साल प्रदेश में 10.57 फीसदी की दर से बाघ बढ़े। अगली बाघ गणना में प्रदेश में बाघों की संख्या 1 हजार से ज्यादा होने का अनुमान है।

विस अध्यक्ष तोमर ने सत्र की तैयारियों का लिया जायजा

भोपाल (नगर संवाददाता)

मप्र की सोलहवीं विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार से शुरू होकर 8 अगस्त तक चलेगा। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने रविवार को विधानसभा पहुंचकर सत्र की तैयारियों का जायजा लिया एवं सत्र के सुचारू रूप से संचालन हेतु अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह ने बताया कि मानसून सत्र में सदन की कुल 10 बैठेकें होंगी। बजट सत्र की अधिसूचना जारी होने से अब तक विधानसभा सचिवालय में तारांकित प्रश्न

1718 एवं अतारांकित प्रश्न 1659 की सूचनाएं प्राप्त हुई हैं। ध्यानाकर्षण की 226, स्थगन प्रस्ताव की 1, अशासकीय संकल्प की 23, शून्यकाल की 65, नियम -139 की 1 सूचना प्राप्त हुई है। शासकीय विधेयक 3 प्राप्त हुए हैं।

नशा छोड़ने की लिए पुलिस ने करवाए हस्ताक्षर, दिलाई शपथ

शहर के थाना क्षेत्रों में हुए कार्यक्रम, दिलाई शपथ, निकाली वाहन रैली

भोपाल (नगर संवाददाता)

मुख्यमंत्री की मंशानुसार व डीजीपी के निर्देश पर चलाए जा रहे नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत राजधानी के अलग-अलग थानाक्षेत्रों में जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में थाना जहांगीराबाद में अभियान के तहत व्यावसायिक प्रतिष्ठान डी मार्ट पर जन जागरूकता अभियान चलाया गया सभी को उक्त अभियान के दौरान नशा न करने हेतु जागरूक किया गया। इसी तरह थाना हनुमानगंज क्षेत्रान्तर्गत गल्ला बाजार, घोडा नक्कास मार्केट, सार्वजनिक स्थान अग्रवाल पुडी भंडार चौराहा पर नशा छोड़ने के संबंध में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे नशा छोड़ने के संबंध मे सुझाव दिये गये एवं सुझाव देने के साथ साथ बेनर पर हस्ताक्षर लेकर शपथ दिलवाई गई। अयोध्यानगर क्षेत्र में व्यापारी वर्ग, एनजीओ के साथ मिलकर, मीनाल मॉल,डी मार्ट शॉपिंग मॉल, सेटे लाइट प्लाज़ा, इत्यादि सार्वजनिक स्थानों में नशा विरोधी जन संवाद आयोजित किए गए।

थाना गौतम नगर क्षेत्रान्तर्गत फिरोज गांधी काम्प्लेक्स, डीआईजी बंगला चौराहा पीजीबीटी रोड पर नशा छोड़ने के संबंध में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे नशा छोड़ने के संबंध मे सुझाव दिये गये एवं सुझाव देने के साथ साथ बैनर पर हस्ताक्षर लेकर शपथ दिलवाई गई। थाना कमला नगर क्षेत्र में थाना स्टाफ द्वारा वाहन रैली निकालकर लोगों को नशा मुक्ति हेतु प्रेरित किया गया एवं नशे के खिलाफ अवेयरनेस का संदेश दिया गया बरेली में थाना स्टाफ शामिल रहा। थाना चुनाभट्टी क्षेत्र कालिया सोत डेम तिराहे पर नशा मुक्ति अभियान नशे से दूरी है जरूरी के अंतर्गत आमजन दुकानदारों एवं आने जाने वालों को नशा मुक्ति के संबंध में जानकारी दी गई एवं हस्ताक्षर बैनर पर हस्ताक्षर कराए गए। सभी ने उत्साहित होकर इस कार्यक्रम में भाग लिया थाना चुनाभट्टी से ऐ एस आई लालजी मिश्रा प्रधान आर मुद्रिका दुबे महिला प्रधान आर चमेली पवार संगीता साकरे एवं आर सुभाष नरोलिया उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि भोपाल पुलिस नशा मुक्ति अभियान के तहत विगत 15 जुलाई से समस्त थाना क्षेत्र में विभिन्न इलाकों बस्तियां, स्कूल, संस्थानों में निरंतर हस्ताक्षर अभियान, जागरूकता अभियान चला रही है एवं नशे से होने वाले दुष्परिणाम एवं हेल्पलाइन नंबर के बारे में जानकारी दे रही है इसी क्रम में आज भी विभिन्न क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विवि और रायसेन पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में नशे के खिलाफ लोगों ने लगाई दौड़

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 15 से 30 जुलाई तक चलाए जा रहे नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत रविवार को सतलापुर में 3 किलोमीटर लंबी मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। इस आयोजन में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय और रायसेन पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में 500 से अधिक लोगों ने भाग लिया। प्रतिभागियों में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण, अन्य कॉलेज एवं स्कूलों के विद्यार्थी शामिल थे। इस जागरूकता पहल के माध्यम से युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति सचेत किया गया और समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प दोहराया गया। मैराथन के समापन अवसर पर पुलिस अधीक्षक पंकज कुमार पाण्डेय द्वारा सभी प्रतिभागियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर सुश्री शीला सुराना, एसडीओपी औबेदुल्लागंज, राजीव अग्रवाल, अध्यक्ष, मंडीदीप इंडस्ट्रियल एसोसिएशन, जलज चतुर्वेदी, जिला खेल अधिकारी रायसेन, ट्रैफिक पुलिस के अधिकारीगण एवं अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

कभी अत्यधिक ड्यूटी का तनाव तो कभी खुद ही तनाव मोल ले रहे पुलिसकर्मी

पुलिसकर्मियों में बढ़ रही आत्महत्या की प्रवृत्ति, वजह परेशान करने वाली

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल में थाना प्रभारी रुपेश दुबे ने तैश में आकर जब जहर खा लिया। उस समय वे अपनी पत्नी से फोन पर बात कर रहे थे। थाना प्रभारी ने जहर खा लिया ये बात भी उन्होंने ही अपनी पत्नी को बताई थी। इसी महीने चार जुलाई को इंदौर के द्वारकापुरी थाने में तैनात अनुराग भामरे ने तो अपनी ही बंदूक से खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली। वजह वही पारिपारिक तनाव बीते महीने 11 जून की घटना है। ग्वालियर में आरक्षक भानु प्रताप सिंह राजावत ने अपने सरकारी क्वार्टर में खुदकुशी कर ली। क्या नौकरी का तनाव अब पुलिस कर्मियों की जान पर आ रहा है? बड़ी से बड़ी अपराध की गुत्थियां सुलझा लेने वाले पुलिसकर्मी निजी जंदिगी के ताने बाने नहीं सुलझा पा रहे? क्या काम के बढ़ते दबाव और परिवार की अपेक्षाएं उन्हें तोड़ रही हैं? क्या विपरीत हालातों से डील नहीं कर पा रहे हैं पुलिसकर्मी? राजधानी भोपाल के अलावा इंदौर, ग्वालियर में बढ़ते खुदकुशी के मामले। सर्विस रिवाल्वर से अपनी ही जान ले रहे पुलिसकर्मी आखिर किस बात से इतने तनाव में हैं।

किस टेंशन में जान दे रहे हैं मध्य प्रदेश के पुलिसकर्मी

मध्य प्रदेश में जुलाई महीने में पंद्रह दिन के भीतर पुलिसकर्मी की खुदकुशी का ये दूसरा मामला है। भोपाल में थाना प्रभारी रुपेश दुबे ने जहर खाकर जान देने की कोशिश की। इसके पहले इंदौर के द्वारकापुरी थाने में एक कांस्टेबल ने बीती चार जुलाई को अपनी ही बंदूक से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। यहां भी वजह पारिवारिक विवाद था। ड्यूटी का प्रेशर तो अपनी जगह है लेकिन पुलिसकर्मियों की खुदकुशी की वजह पारिवारिक तनाव है। क्या मुश्किल नौकरियों के साथ पुलिसकर्मियों की निजी जिंदगी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। पारिवारिक तनाव के अलावा एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर में मिला धोखा, ब्लैकमेलिंग भी एक वजह है। पहले सिलसिलेवार जरा पुलिस कर्मियों की खुदकुशी की वजह और मामले पर गौर कीजिए।

पुलिस से ब्लैकमेलिंग और खुदकुशी के भी मामले

इंदौर में एक आरक्षक विनोद यादव एक महिला की ब्लैकमेलिंग से इतने तंग आ चुके थे कि उन्हें उससे निजात पाने का एक ही रास्ता सूझा और वो था खुदकुशी। कमोबेश ऐसा ही मामला छत्तरपुर जिले से भी सामने आया। छतरपुर जिले में कोतवाली इलाके में थाना प्रभारी अरविंद कुजूर ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर खुद पर ही दाग दी और खुदकुशी कर ली। आत्महत्या की वजह बना प्रेम। वह 24 वर्षीय एक लड़की से प्रेम करते थे। लड़की ने शादी से इंकार कर दिया था।

टेंशन फ्री बनाने पुलिस को कराया था ध्यान

पुलिसकर्मियों के बीच बढ़ते तनाव को मैनेज करने के लिए मध्य प्रदेश पुलिस ने हार्टफुलनेस संस्था के साथ मिलकर भोपाल में बीते अप्रैल महीने में हार्टफुलनेस का ट्रेनिंग कैम्प भी रखा था। जिसमें उन्हें बताया गया था कि मेडिटेशन की मदद से वे कैसे बड़े से बड़े तनाव के बीच भी शांत रह सकते हैं। केवल पंद्रह मिनट के समय में पुलिसकर्मियों को यह सिखाया गया कि वे दुनिया का हर तनाव भूलकर, काम का प्रेशर छोडक़र अपने मन की यात्रा पर निकलें और खुद को मानसिक रूप से मजबूत करें। भोपाल के अपर आयुक्त अवधेश गोस्वामी कहते हैं कि पुलिस के तमाम अधिकारी, कर्मचारी तनाव मुक्त होकर काम करें, इसकी लगातार कोशिश की जाती है। तनावमुक्त रखने के लिए पुलिसकर्मियों के लिए योग शिविर और स्पोर्ट एक्टिविटी कराई जाती है। आईजी रूचि वर्धन मिश्रा और उनकी टीम प्रदेश के हर जिले में ध्यान और योग के कार्यक्रम आयोजित कर तनाव के कम करने की कोशिश कर रही है।

थाना प्रभारी छुट्टी नहीं देते और रेत माफिया देता है धमकी

दतिया में एक दिल दहला देने वाली घटना हुई। एएसआई प्रमोद पावन ने खुद पुलिस विभाग और लोकल रेत माफिया की कथित सांठगांव को उजागर किया। फिर उन्होंने अपनी जान दे दी। मौत के गले लगाने के पहले एएसआई ने एक वीडियो रिकॉर्ड किया। उन्होंने सीनियर अफसरों पर गंभीर आरोप लगाए। गोंदन थाने में पदस्थ एएसआई प्रमोद पावन ने अपने घर में फांसी लगाकर की खुदकुशी कर लवीडियो में उन्होंने पुलिस अधिकारियो और रेत माफिया पर मानसिक प्रताडना और जान से मारने की धमकी मिलने का खुलासा किया है। एएसआई प्रमोद पावन ने खुदकुशी से पहले कई वीडियो रिकॉर्ड किए। ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए। जिसमें उन्होंने थाना प्रभारी अरविंद सिंह भदौरिया, थरेट के थाना प्रभारी अंफसुल हसन और कांस्टेबल रूप नारायण पर गंभीर आरोप लगाए है।एएसआई प्रमोद पावन ने अपने वीडियो में बताया कि मैंने जिस दिन से गोदन के रहने वाले बबूल यादव का रेत से भरा ट्रैक्टर रोका, उसी दिन से थाना प्रभारी अरविंद सिंह भदोरिया, अंफसुल हसन मुझे प्रताड़ित कर रहे हैं। अरविंद सिंह भदोरिया और रूप नारायण जाति सूचक गालियां देते है। मुझे काफी प्रताड़ित कर रखा है। खाना तक नहीं खा पा रहा। मानसिक रूप से मैं काफी प्रताड़ित हो चुका हूं. अरविंद सिंह भदोरिया, अंफसुल हसन, रूप नारायण और बबूल यादव मुझे जान से मारने की धमकी देते हैं।

परिवार के साथ न रहने से बढ़ता है तनाव

वर्किंग आवर्स से लेकर कानून व्यवस्था से जुड़ा काम होने की वजह से पुलिसकर्मियों की चुनौतियां किसी भी और पेशे से कहीं ज्यादा हैं। तनाव उनके जीवन का हिस्सा है। बड़ी मुश्किल ये है कि इनके जीवन में इस तनाव को कम करने के लिए जो परिवार का सहयोग या समय चाहिए होता है, वह पुलिसकर्मी नहीं दे पाते। दूसरा समाज और सिस्टम ने उन्हें एक छवि में गढ़ दिया है कि वे मजबूत होते हैं। वे सब कुछ डील कर सकते हैं। समाज को सिस्टम को समझना चाहिए कि वे भी इंसान ही हैं। हारते टूटते वे भी हैं।

पुलिसकर्मियों की खुदकुशी में इंदौर आगे ग्वालियर संभला हुआ

पुलिसकर्मियों की खुदकुशी के मामलों पर गौर करें तो अकेले इंदौर के आंकड़े बता रहे हैं कि बीते एक साल में ही पुलिसकर्मियों की खुदकुशी के यहां दस से ज्यादा मामले सामने आए हैं। सातवी मंजिल से कूद जाने से लेकर सर्विस रिवाल्वर से अपनी ही जान लेने वाला मामला भी इंदौर का ही है। हांलाकि ग्वालियर में बीते एक साल में केवल दो ही खुदकुशी के मामले सामने आए।

बच्चों ने हरियाली तीज पर्व पर लगाए पौधे

हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम नगर स्थित ज्वाला कॉन्वेंट स्कूल के विद्यार्थियों और शिक्षिकाओं ने हरियाली तीज पर्व के अवसर पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आम के पेड़ और अन्य पौधे लगाए। स्कूल के प्राचार्य राज बतरा ने बताया कि गवर्नमेंट गर्ल्स स्कूल के प्राचार्य आर.सी. वर्मा इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे। आर.सी. वर्मा और शिक्षाविद अवधेश शुक्ला ने कहा कि इस तरह के कार्य पर्यावरण के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध होंगे।

151 मरीजों की आंखों की जांच 37 ,मोतियाबिंद के होंगे फ्री ऑपरेशन

हिरदाराम नगर। भोपाल के गौतम नगर स्थित आर्य भवन में सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय और भोपाल उत्सव मेला समिति ने मिलकर एक निःशुल्क नेत्र परीक्षण और मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया। इस शिविर का शुभारंभ समिति के पदाधिकारियों और सेवा सदन के ट्रस्टी द्वारा देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। शिविर में कुल 151 रोगियों की आँखों की जाँच की गई, जिनमें 92 पुरुष और 59 महिलाएँ शामिल थीं। जाँच के दौरान 37 रोगियों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई।

दो दिवसीय रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव का सफलतापूर्वक समापन, पर्यटन राज्यमंत्री लोधी एवं प्रमुख सचिव पर्यटन शुक्ला ने पय़र्टन विशेषताओं से करवाया अवगत

विंध्य की वादियों से मध्यप्रदेश के पर्यटन को मिलेगा नया आयाम : राजेंद्र शुक्ल

- मध्यप्रदेश के पर्यटन क्षेत्र निवेशकों को कर रहे हैं आकर्षित
- पर्यटन व्यवसायी, टूर ऑपरेटर्स और होटल इंडस्ट्री के हितधारक हुए शामिल

भोपाल (नगर संवाददाता)

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में अधोसंरचना विकास, पारंपरिक संस्कृति का संरक्षण एवं प्रोत्साहन और पर्यटन क्षेत्र में निजी सहभागिता से पर्यटन सेक्टर को बढ़ाने के सुनियोजित एवं एकीकृत प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों से आज मध्यप्रदेश पर्यटन क्षेत्र में असीम क्षमता और निवेश का आकर्षक क्षेत्र बन गया है। मध्यप्रदेश सरकार पर्यटन को अर्थव्यवस्था, रोजगार और सांस्कृतिक गौरव का आधार बना रही है। उन्होंने कहा कि किसी क्षेत्र में यदि औद्योगिक क्रांति, हरित क्रांति और पर्यटन क्रांति आ जाये तो उस क्षेत्र का विकास तीव्र गति से होता है। ऐसे क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर सृजित होते हैं। विंध्य की धरोहर, प्रकृति और संस्कृति को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर स्थापित करने की अपार संभावनाएं हैं। रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव जैसे आयोजन निवेश, संवाद और भागीदारी के माध्यम से इस दिशा में सार्थक कदम हैं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल रविवार को रीवा में दो दिवसीय रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव के दूसरे दिन प्रथम सत्र के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे।

पर्यटन सीमाओं से बंधा नहीं है: शिवशेखर शुक्ला

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि पर्यटन एक ऐसा क्षेत्र है, जो सीमाओं के बंध में नहीं हैं। उत्तर प्रदेश की सीमा से विंध्य क्षेत्र जुड़ा हुआ है, रोड, रेल और एयर कनेक्टिवटी काफी बेहतर हैं। मां गंगा से मां नर्मदा तक प्रस्तावित पर्यटन कॉरिडोर परियोजना के तहत मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों को जोड़ने का प्रयास है। प्रयागराज, अयोध्या, वाराणसी, ओंकारेश्वर और महाकालेश्वर से गुजरने वाले इस गलियारे में दोनों राज्यों के बीच पर्यटन सहयोग को बढ़ावा मिलेगा, पर्यटकों को एक समृद्ध और विविध अनुभव मिलेगा साथ ही धार्मिक, सांस्कृतिक, स्वास्थ्य और विरासत पर्यटन को आकर्षित करने में सहयोग प्राप्त होगा।

एमपीएसटीडीसी लगातार आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ कर रहा है: टी इलैयाराजा

म.प्र. पर्यटन विकास निगम (एमपीएसटीडीसी) के प्रबंध संचालक डॉ. इलैयाराजा टी ने कहा कि एमपीएसटीडीसी लगातार आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ करने का कार्य कर रहा है। हम पर्यटकों को मूलभूत सुविधाएं प्रदान के साथ ही पर्यटन स्थलों तक आसान पहुंच, ठहरने की उत्तम व्यवस्था और अविस्मरणीय अनुभव के लिए अलग-अलग पहलुओं पर काम कर रहे हैं।

रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव की प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव के दौरान आयोजित प्रदर्शनी में मध्यप्रदेश की समृद्ध हस्तशिल्प, कला, पर्यटन सेवाओं और पारंपरिक विरासत की विविध झलक देखने को मिली। प्रदर्शनी में धोकरा क्राफ्ट बैतूल, बुंदेली पेंटिंग निवाड़ी, डेट लीफ क्राफ्ट अनूपपुर), ब्रॉन्ज क्राफ्ट उचेहरा, सिक्की आर्ट सीधी, टेराकोटा क्राफ्ट सहित अनेक पारंपरिक कलाओं का प्रदर्शन किया गया। साथ ही, मृगनयनी एम्पोरियम रीवा द्वारा मध्यप्रदेश के वस्त्रशिल्प की प्रस्तुति और आईआरसीटीसी, एमटी होटल्स एंड रिसॉर्ट्स, मोगली रिसॉर्ट्स और तेंदुलीफ रिसॉर्ट्स जैसी प्रतिष्ठित पर्यटन इकाइयों ने भी अपने स्टॉल्स के माध्यम से सेवाएं और संभावनाएं प्रदर्शित कीं। यह प्रदर्शनी स्थानीय कारीगरों, पर्यटन उद्यमियों और आगंतुकों के बीच रचनात्मक संवाद और सहयोग का एक प्रभावी मंच सिद्ध हुई।

पर्यटन उद्योग तेजी से बढ़ता क्षेत्र:मंत्री धर्मेन्द्र लोधी

पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि वर्तमान में पर्यटन उद्योग वैश्विक अर्थव्यवस्था में सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में पर्यटन अधोसंरचनाओं के निर्माण और पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

विभिन्न सत्रों में पर्यटन क्षेत्र के विशेषज्ञों ने रखे विचार

उद्घाटन सत्र में रिस्पांसिबल टूरिज्म सोसायटी ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट राकेश माथुर ने कहा कि पर्यटन और पर्यटकों के बीच ऐसे सेतु के निर्माण की आवश्यकता है, जो हमारी प्रकृति को नुकसान से बचाए। उन्होंने कहा कि हमें अपने व्यवहार में बदलाव लाकर प्रकृति और विरासतों का संवर्धन और संरक्षण करना होगा। ताज सफारीज़ के डायरेक्टर ऑपरेशन्स अतुल पांडे ने कहा कि मध्यप्रदेश में जैव विविधता ने हमेशा से ही पर्यटकों को आकर्षित किया है, यही वजह है कि ताज ग्रुप ने वन और वन्य प्रेमियों को लक्जरी अनुभव प्रदान करते हुए ताज सफारीज के प्रोजेक्ट्स की मध्यप्रदेश में शुरूआत की है। इंफ्लुएंसर सिद्धार्थ जोशी ने कहा है कि हम चाहते हैं कि पर्यटक केवल कॉटेंट देखे नहीं उसका अनुभव भी प्राप्त करे। तथास्तु रिजॉर्ट्स के संस्थापक अनिल अग्रवाल, माइनर होटल्स के एरिया कमर्शियल डायरेक्टर रोहित चोपड़ा, जंगल कैम्प्स इंडिया से गजेन्द्र सिंह राठौर, स्विस ट्रैफलगार से दिगेश अमित दिग्विजय सिंह, फिक्की मप्र टूरिज्म कमेटी के अध्यक्ष महेन्द्र प्रताप सिंह ने भी मध्यप्रदेश की नीतियों की सराहना की। प्रसिद्ध अभिनेता मुकेश तिवारी ने कहा कि हम मध्यप्रदेश के लोग रेड कार्पेट से नहीं, दिल बिछाकर लोगों का स्वागत करते हैं। हमें प्रकृति ने रचा ही इसलिए है कि हम प्रकृति को बचा पाएं। विश्व की सभी महान हस्तियों के जीवन में यात्रा का विशेष महत्व रहा है। पर्यटन का सही मायनों में अर्थ खोजना है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)